website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 319 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 26 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

शांभवी चौधरी का दावा:
225 से अधिक सीटें जीतकर बिहार में एनडीए फिर से बनाएगी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने दावा किया है कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए 225 से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनाएगा। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए और महागठबंधन दोनों ओर से दावा किया जा रहा है कि वे अगली सरकार बनाने जा रहे हैं।

शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी समस्तीपुर पहुंचे, जहां उनकी जनसभा को सुनने के लिए भारी संख्या में लोग जुटे-

शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी समस्तीपुर पहुंचे, जहां उनकी जनसभा को सुनने के लिए भारी संख्या में लोग जुटे। उन्होंने यहां से अपना चुनावी अभियान शुरू किया और जननायक कर्पूरी ठाकुर को श्रद्धांजलि दी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने कहा कि बिहार की जनता एनडीए के साथ है और बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनने वाली है।

महागठबंधन की ओर से राजद नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री घोषित करने से चुनाव पर नहीं पड़ेगा कोई प्रभाव-

महागठबंधन की ओर से राजद नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने पर शांभवी चौधरी ने कहा कि चाहे वे मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करें या उप मुख्यमंत्री पद का, इससे एनडीए के चुनावी अभियान या जीत पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। एनडीए पूरी तरह से चुनाव जीतेगा। हम 225 सीटों को पार करने जा रहे हैं। चुनाव प्रचार का आधा समय बीत चुका है, तब कहीं जाकर महागठबंधन के लोग दिखाई दिए।

समस्तीपुर के सभी निवासियों के लिए सौभाग्य की बात है कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने यहीं से अपना चुनावी अभियान शुरू किया है-

उन्होंने कहा कि यह समस्तीपुर के सभी निवासियों के लिए सौभाग्य की बात है कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने यहीं से अपना चुनावी अभियान शुरू किया है। आज से पहले प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा किसी ने भी कर्पूरी ठाकुर की विरासत की रक्षा की या इसके बारे में बात की? समस्तीपुर का चुनावी परिणाम अद्त होगा। उम्मीद पर हम सभी खरे उतरेंगे।

समस्तीपुर मेरा सिर्फ संसदीय क्षेत्र ही नहीं है, बल्कि जननायक कर्पूरी ठाकुर की जन्मस्थली भी है-

उन्होंने आगे कहा कि समस्तीपुर मेरा सिर्फ संसदीय क्षेत्र ही नहीं है, बल्कि जननायक कर्पूरी ठाकुर की जन्मस्थली भी है। समस्तीगपुर को समाजवाद की धरती और क्रांति की धरती कहा जाता है। यह बिहार को हमेशा दिशा देता रहा है।

बिहार चुनाव पर अमित शाह का तीखा बयान: 'जंगलराज' नहीं, अब 'विकास राज' चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार तेज हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को खगड़िया के बाद मुंगेर पहुंचे, जहां उन्होंने चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने इस रैली को संबोधित करते हुए जहां एनडीए सरकार के विकास कार्यों की तारीफ की तो वहीं विपक्ष पर निशाना साधा। बिहार चुनाव में एनडीए के पांच दल पांच पांडवों की तरह एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर लठमार हो गई। अमित शाह ने कहा कि बिहार चुनाव में एक तरफ एनडीए के पांच दल पांच पांडवों की तरह एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि दूसरी तरफ महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर लठमार हो गई। उन्होंने कहा कि इनका न नेता है, न नीयत है और न नेतृत्व है। उन्होंने उपस्थित लोगों को सचेत करते हुए कहा कि बिहार चुनाव यह निर्णय करने वाला है कि फिर से बिहार में जंगलराज आएगा या एनडीए के नेतृत्व में फिर से विकास का राज आएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है-

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि बिहार में आज शिक्षा का बजट 18 गुना बढ़ा है, जबकि शिक्षकों की संख्या दो लाख से बढ़कर छह लाख हो गई है, और इंजीनियरिंग की सीटें 36 गुना बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादों में भी वृद्धि हुई है। बिहार में कानून के राज को बिगाड़ने के लिए राजद आई है।

एनडीए सरकार में अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन गया है और अब सीतामढ़ी में भी भव्य जानकी मंदिर बनने की शुरुआत हो गई है-

केंद्रीय गृह मंत्री ने मुंगेर के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह इलाका भी रामायण सर्किट से जुड़ने वाला है। एनडीए सरकार में अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन गया है और अब सीतामढ़ी में भी भव्य जानकी मंदिर बनने की शुरुआत हो गई है। उन्होंने मुंगेर के सीता कुंड के विकास करने का वादा करते हुए कई विकास कार्यों की भी चर्चा की।

हाल ही में एनडीए सरकार ने एक करोड़ जीविका दीदी के बैंक अकाउंट में 10-10 हजार रुपए जमा करने का काम किया-

उन्होंने कहा, "हाल ही में एनडीए सरकार ने एक करोड़ जीविका दीदी के बैंक अकाउंट में 10-10 हजार रुपए जमा करने का काम किया। विधवा और वृद्धा पेंशन 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए की गई, और आशा बहनों का मानदेय 3,000 रुपए किया गया। इसी तरह बहुत सारे काम एनडीए सरकार ने बिहार के विकास के लिए किए हैं। अब पटना में मेट्रो का सपना साकार हो रहा है।"

एनडीए को जहां बिहार के लोगों की चिंता है, वहीं लालू यादव को अपने बेटे को सीएम और सोनिया गांधी को अपने बेटे को पीएम बनाने की चिंता है-

इस दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर राजद पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एनडीए को जहां बिहार के लोगों की चिंता है, वहीं लालू यादव को अपने बेटे को मुख्यमंत्री और सोनिया गांधी को अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाने की चिंता है। इस दौरान उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' की भी चर्चा की।

भारतीय रेलवे की अनोखी पहल, स्टेशनों पर गूंज रहे छठ गीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आस्था के महापर्व छठ पूजा के शुभ अवसर पर भारतीय रेलवे ने यात्रियों के लिए एक विशेष पहल की है। अब देश के कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर छठ गीतों का प्रसारण किया जा रहा है। इस कदम का उद्देश्य न केवल यात्रियों को त्योहार की भावना से जोड़ना है, बल्कि उनके सफर को भी भक्ति और उल्लास से भर देना है। छठ पूजा के दौरान रेलवे स्टेशनों पर गूंजते पारंपरिक और भक्तिपूर्ण गीत श्रद्धालुओं के बीच एक पवित्र और भावनात्मक माहौल का निर्माण कर रहे हैं। जब यात्री प्लेटफॉर्म पर कदम रखते हैं, तो 'उठल सवेरवा, अरघ दिहीं सूर्य भगवान' और 'कांच ही बांस के बहंगिया' जैसे मधुर गीतों की धुन उनके मन को छू जाती है। इससे यात्रियों को अपने गांव-घर और संस्कृति की सुगंध का अहसास हो रहा है। रेलवे की यह पहल पटना, दानापुर, हाजीपुर, भागलपुर, जमालपुर, सोनपुर, नई दिल्ली, गाजियाबाद और आनंद विहार टर्मिनल जैसे प्रमुख स्टेशनों पर लागू की गई है। इन स्टेशनों पर छठ पूजा के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने कई विशेष इंतजाम भी किए हैं। स्टेशनों पर यात्रियों के ठहरने के लिए होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जहां वे आराम से अपनी ट्रेन का इंतजार कर सकते हैं। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए रेलवे ने आरपीएफ कर्मियों की अतिरिक्त तैनाती की है। सभी प्लेटफॉर्म और मुख्य द्वारों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। सफाई व्यवस्था को भी दुरुस्त किया गया है ताकि स्टेशन परिसर में स्वच्छता और पवित्रता बनी रहे। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह पहल यात्रियों के अनुभव को और भी यादगार बनाएगी। त्योहार के मौसम में जब हजारों लोग अपने घर लौटते हैं, तब स्टेशनों पर छठ गीतों की गूंज उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ती है। यह पहल न केवल सांस्कृतिक परंपरा को सम्मान देती है, बल्कि यात्रियों के मन में घर जैसी आत्मीयता भी जगाती है।

Chhath Puja: छठ पर्व पर 27 अक्टूबर को रहेगा सरकारी अवकाश

-दिल्ली सीएम ने श्रद्धालुओं को दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि छठ पर्व के अवसर पर सोमवार यानी 27 अक्टूबर को सरकारी अवकाश रहेगा। सीएम रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि इस पर्व पर सोमवार को इसलिए अवकाश किया जा रहा है क्योंकि चार दिन के इस पर्व के तीसरे दिन व्रती सूर्यास्त के समय नदी या तालाब के किनारे जाकर अस्तगामी सूर्य देव को अर्घ्य देते हैं। यह छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है। इस दिन सुबह से ही तैयारी शुरू हो जाती है और पूरा परिवार कोई न कोई कार्य को पूरा करने में लगा रहता है।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने 27 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

मुख्यमंत्री ने इस पर्व को लेकर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं और कहा कि छठ पर्व प्रकृति को समर्पित पर्व है, जिसमें सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा होती है। उन्होंने कहा कि छठ पर्व आस्था, श्रद्धा और स्वच्छता का प्रतीक है, जो हमें प्रकृति, जल और सूर्य की उपासना के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है।

उन्होंने कहा कि यह पर्व लोक आस्था और भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा का उत्सव है, जिसमें परिवार, समाज और समुदाय एक साथ जुड़ते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने सभी छठ घाटों पर स्वच्छता, सुरक्षा और सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की है, ताकि श्रद्धालु निश्चिंत होकर पूजन कर सकें।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और नई ऊर्जा का संचार करेगा तथा समाज में आपसी भाईचारे और सद्भाव को और सुदृढ़ बनाएगा।

आरबीआई ने अधिग्रहण लोन सीमा बढ़ाने पर जारी किया ड्राफ्ट सर्कुलर

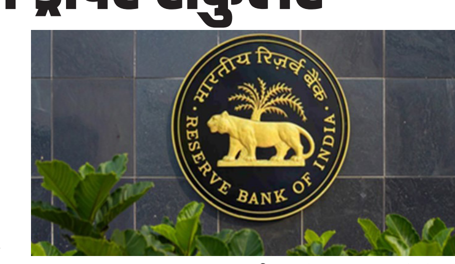

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक नया ड्राफ्ट सर्कुलर जारी किया है, जिसमें भारतीय कंपनियों को घरेलू या विदेशी फर्मों में पूरा या कंट्रोलिंग स्टेक खरीदने के लिए बैंकों द्वारा लोन की राशि बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया है। केंद्रीय बैंक की ओर से इन मानदंडों को 1 अप्रैल 2026 से लागू करने का प्रस्ताव दिया गया है।

बैंक द्वारा दिया जाने वाला यह लोन शॉर्ट-टर्म फाइनेंशियल रीस्ट्रक्चरिंग के बजाय लॉन्ग-टर्म वैल्यू बनाने वाले स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट का हिस्सा होगा

बैंक द्वारा दिया जाने वाला यह लोन शॉर्ट-टर्म फाइनेंशियल रीस्ट्रक्चरिंग के बजाय लॉन्ग-टर्म वैल्यू बनाने वाले स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट का हिस्सा होगा। हालांकि, आरबीआई ने एक्वायर करने वाली कंपनियों को लेकर यह भी स्पष्ट किया है कि यह कंपनियां लिस्टेड होनी चाहिए और इनकी नेट वर्थ भी अच्छी होनी चाहिए, जिसके लिए इन कंपनियों के पिछले तीन वर्ष का प्रॉफिट रिकॉर्ड भी ध्यान रखा जाएगा।आरबीआई के ड्राफ्ट के अनुसार, "बैंक अधिग्रहण मूल्य का अधिकतम 70 प्रतिशत फंड कर सकता है। अधिग्रहण मूल्य का कम से कम 30 प्रतिशत हिस्सा अधिग्रहण करने वाली कंपनी को अपने धन का इस्तेमाल कर इक्विटी के रूप में फंड करना होगा।"

आरबीआई द्वारा इस तरह के एक्विजिशन फाइनेंस में किसी बैंक के कुल एक्सपोजर को उसके टियर-I कैपिटल के 10 प्रतिशत तक सीमित करने का प्रस्ताव दिया गया है

आरबीआई द्वारा इस तरह के एक्विजिशन फाइनेंस में किसी बैंक के कुल एक्सपोजर को उसके टियर-I कैपिटल के 10 प्रतिशत तक सीमित करने का प्रस्ताव दिया गया है। सर्कुलर में कहा गया है कि बैंक सीधे एक्वायरिंग कंपनी को ही लोन दे सकते हैं या इस कंपनी द्वारा टारगेट एंटिटी को खरीदने के लिए सेट अप किए गए स्टेप-डाउन स्पेशल पर्पस व्हीकल (एसपीवी) को लोन दिया जा सकता है।

केंद्रीय बैंक का कहना है कि लोन देने वाले बैंकों के पास एक्विजिशन फाइनेंस पर एक पॉलिसी होनी चाहिए

इसके अलावा, केंद्रीय बैंक का कहना है कि लोन देने वाले बैंकों के पास एक्विजिशन फाइनेंस पर एक पॉलिसी होनी चाहिए। इस तरह की पॉलिसी में उधार लेने वालों की एलिजिबिलिटी, सिक्योरिटी, रिस्क मैनेजमेंट, मार्जिन और मॉनिटरिंग टर्म्स की लिमिट, नियर और शर्तों की जानकारी मौजूद होनी चाहिए। केंद्रीय बैंक ने प्रस्ताव दिया है कि बैंकों को यह सुनिश्चित करने की जरूरत होगी कि एक्वायरिंग कंपनी और एक्विजिशन के लिए बनाई गई एसपीवी नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियां या अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड जैसे फाइनेंशियल इंटरमीडियरी न हो।

बैंकों को यह भी वेरिफाई करने की जरूरत होगी कि एक्वायर करने वाली कंपनी और टारगेट कंपनी आपस में रिलेटेड पार्टी न हों

बैंकों को यह भी वेरिफाई करने की जरूरत होगी कि एक्वायर करने वाली कंपनी और टारगेट कंपनी आपस में रिलेटेड पार्टी न हों। नियमों के अनुसार, टारगेट कंपनी की एक्विजिशन वैल्यू बाजार नियामक सेबी के नियमों के तहत तय की जानी चाहिए। इसके अलावा, क्रेडिट असेस्मेंट के लिए बैंकों को दोनों कंपनियों की कम्बाइन्ड बैलेंसशीट को चेक करना होगा।

दिल्ली एम्स के दीक्षांत समारोह में जेपी नड्डा ने कहा, 'भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में नए आयाम छू रहा है'

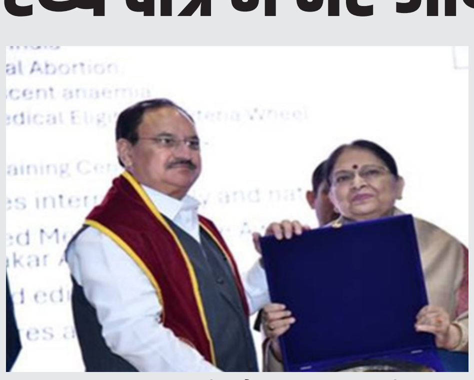

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को दिल्ली एम्स के 50वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस दौरान, उन्होंने छात्रों को बधाई दी और भारत में चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा और रोगी देखभाल को आगे बढ़ाने में एम्स के अद्वितीय योगदान की सराहना की।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने युवा डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे सहानुभूति के साथ सेवा करें

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने युवा डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे सहानुभूति के साथ सेवा करें, नैतिकता के उच्चतम मूल्यों को बनाए रखें और देश की उभरती स्वास्थ्य देखभाल जरूरतों को पूरा करने के लिए नवाचार का उपयोग करें।

चिकित्सा विज्ञान, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एम्स ने न सिर्फ भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है

दिल्ली एम्स के बारे में जेपी नड्डा ने कहा, "चिकित्सा विज्ञान, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एम्स ने न सिर्फ भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है।" भारत के स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में पिछले दशक में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि पिछली सदी के अंत में देश में सिर्फ एक एम्स था, जबकि आज पूरे भारत में 23 एम्स कार्यरत हैं। यह सरकार की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और चिकित्सा प्रशिक्षण देश के हर क्षेत्र तक पहुंचें।

पिछले 11 सालों में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 819 हो गई है

उन्होंने आगे बताया कि पिछले 11 सालों में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 819 हो गई है। इसी प्रकार, अंडर ग्रेजुएट मेडिकल सीटें 51 हजार से बढ़कर 1.29 लाख और पोस्ट ग्रेजुएट सीटें 31 हजार से बढ़कर 78 हजार हो गई हैं। जेपी नड्डा ने यह भी बताया कि अगले 5 सालों में अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर अतिरिक्त 75 हजार सीटें जोड़ी जाएंगी।

भारत ने मातृ और शिशु स्वास्थ्य क्षेत्र में भी प्रगति की है, मातृ मृत्यु दर 130 से घटकर 88 और शिशु मृत्यु दर 39 से घटकर 27 हो गई है

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि भारत ने मातृ और शिशु स्वास्थ्य क्षेत्र में भी प्रगति की है, जहां एसआरएस के आंकड़ों के अनुसार, मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) 130 से घटकर 88 और शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 39 से घटकर 27 हो गई है। 5 साल से कम आयु की मृत्यु दर (यू5एमआर) और नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) में भी क्रमशः 42 प्रतिशत और 39 प्रतिशत की कमी आई है, जो वैश्विक औसत से अधिक है।

भारत में टीबी के मामलों में 17.7 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो वैश्विक दर 8.3 प्रतिशत से लगभग दोगुनी है

द लैंसेट रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने आगे बताया कि भारत में टीबी के मामलों में 17.7 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो वैश्विक दर 8.3 प्रतिशत से लगभग दोगुनी है। समारोह के दौरान 326 स्नातकों को उपाधियां दी गईं, जिनमें 50 पीएचडी स्कॉलर, 95 डीएम-एमसीएच विशेषज्ञ, 69 एमडी, 15 एमएस, 4 एमडीएस, 45 एमएससी, 30 एमएससी (नर्सिंग) और 18 एम.बायोटेक स्नातक शामिल थे। इसके अलावा, एम्स में उनके योगदान और समर्पित सेवा के लिए 7 डॉक्टरों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

सीएम योगी ने हेलीकॉप्टर से लिया जेवर एयरपोर्ट का जायजा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को देश के सबसे बड़े नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) का हवाई सर्वेक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हेलिकॉप्टर से एयरस्ट्रिप, टर्मिनल बिल्डिंग, पार्किंग एरिया और एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि एयरपोर्ट के शुभारंभ से पहले सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे कर लिए जाएं-

सीएम योगी ने मौके पर मौजूद एयरपोर्ट अथॉरिटी और निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रोजेक्ट की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि एयरपोर्ट के शुभारंभ से पहले सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे कर लिए जाएं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार और रोजगार सृजन का केंद्र बनेगा-

उन्होंने कहा, "नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार और रोजगार सृजन का केंद्र बनेगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।"

बताया जा रहा है कि एविएशन मंत्री ने एयरपोर्ट उद्घाटन की नई संभावित तारीख 30 अक्टूबर तय की है-

बताया जा रहा है कि एविएशन मंत्री ने एयरपोर्ट उद्घाटन की नई संभावित तारीख 30 अक्टूबर तय की है। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धता को देखते हुए यह तारीख आगे बढ़ सकती है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने हवाई सर्वेक्षण के बाद टर्मिनल और अन्य निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया-

सीएम योगी आदित्यनाथ ने हवाई सर्वेक्षण के बाद टर्मिनल और अन्य निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह और मंत्री बृजेश सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में सीएम को एयरपोर्ट की प्रगति रिपोर्ट और भविष्य की योजनाओं पर प्रस्तुति दी गई।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में 5 रनवे बनाए जा रहे हैं, जबकि भविष्य में छठा रनवे जोड़ने की भी योजना है-

उन्होंने यात्री सेवाओं, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और आधारभूत संरचनाओं से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में 5 रनवे बनाए जा रहे हैं, जबकि भविष्य में छठा रनवे जोड़ने की भी योजना है। रनवे के लिहाज से यह एयरपोर्ट एशिया का सबसे बड़ा और दुनिया का छठा सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। एयरपोर्ट को पूरी तरह पेपरलेस और हाई-टेक बनाया जा रहा है। यात्रियों को टिकट से लेकर चेक-इन तक की सभी सुविधाएं मोबाइल ऐप से मिलेंगी। टर्मिनल में 240 कमरों का होटल, वर्ल्ड क्लास लाउंज, स्पा, कॉकटेल बार और इंटरैक्टिव फूड स्टेशंस की व्यवस्था की गई है। यहां स्थानीय से लेकर अंतरराष्ट्रीय ब्रांड तक के शॉपिंग जोन भी बनाए गए हैं।

इसके साथ ही एयरपोर्ट पर 80 एकड़ में मल्टी-मॉडल कार्गो हब बनाया जा रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश और एनसीआर क्षेत्र को बड़ा आर्थिक लाभ होगा-

इसके साथ ही एयरपोर्ट पर 80 एकड़ में मल्टी-मॉडल कार्गो हब बनाया जा रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश और एनसीआर क्षेत्र को बड़ा आर्थिक लाभ होगा। पहले चरण में यह हब दो लाख टन कार्गो की क्षमता के साथ कार्य करेगा, जिसे बाद में 20 लाख टन तक बढ़ाया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट केवल एक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि 'उत्तर प्रदेश के विकास और परिवर्तन का प्रतीक' बनने जा रहा है। इसके शुरू होने से पश्चिमी यूपी में निवेश, व्यापार और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

ड्रग माफिया पर नकेल की ज़रूरत: नशे के जाल में उलझता भारत का युवा भविष्य

भारत के युवाओं को देश का भविष्य कहा जाता है, लेकिन आज यही युवा ड्रग माफिया के जाल में फंसकर अपनी ज़िंदगी और सपनों को बर्बाद कर रहे हैं। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि हाईकोर्ट तक को चेतावनी देनी पड़ी है कि अब संपन्न और शिक्षित परिवारों के बच्चे भी नशे के इस कारोबार में मोहरे बन रहे हैं। समाज में दिखावे की संस्कृति और जल्द अमीर बनने की चाह ने युवाओं को नशे और तस्करी की अंधेरी राह पर धकेल दिया है। आंकड़े बताते हैं कि देश में लगभग 12 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में ड्रग्स की चपेट में हैं। यह संख्या न सिर्फ चिंता बढ़ाने वाली है, बल्कि हमारे सामाजिक और पारिवारिक ढांचे के लिए खतरे की घंटी भी है। महानगरों में ड्रग्स को एक "स्टेटस सिंबल" मानने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। क्लब, पार्टियों और कॉलेज कैंपस में नशे को फैशन का हिस्सा बना दिया गया है। अमीर घरों के बच्चे अपनी हैसियत और संपर्कों के दम पर आसानी से नशे तक पहुंच बना लेते हैं, फिर वे सामान्य घरों के बच्चों को भी इस दलदल में खींच लेते हैं। कोचिंग हब वाले शहरों—जैसे कोटा, पुणे, दिल्ली और हैदराबाद—में छात्रों को 'एकाग्रता बढ़ाने' या 'नींद कम करने वाली दवा' बताकर नशे के झांसे में फंसाया जा रहा है। धीरे-धीरे ये दवाएं लत में बदल जाती हैं और छात्र पढ़ाई छोड़कर नशे के जाल में फंस जाते हैं। सबसे दुखद बात यह है कि कई बार पुलिस और स्थानीय प्रशासन को इन सबकी जानकारी होती है, लेकिन प्रभावशाली लोगों की संलिप्तता या राजनीतिक दबाव के कारण कार्रवाई नहीं होती। ड्रग्स का असर सिर्फ व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। यह परिवारों को तोड़ देता है। हजारों परिवार ऐसे हैं जिनके घरों के युवा या तो जेलों में सड़ रहे हैं या नशे की गिरफ्त में अपनी जिंदगी खत्म कर चुके हैं। कई महिलाएं विधवा हो चुकी हैं, कई मां-बाप अपने बुढ़ापे में बेसहारा हो गए हैं क्योंकि उनके बेटे नशे में डूब गए। ये केवल सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकट है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब में ड्रग तस्करी के सबसे ज्यादा मामले दर्ज होते हैं। पंजाब में तो कई जिलों में पूरा सामाजिक ढांचा नशे की वजह से चरमरा गया है। खेतों में काम करने वाले मजदूर से लेकर पढ़े-लिखे नौजवान तक नशे की गिरफ्त में हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में ड्रग रैकेट का नेटवर्क छोटे कस्बों तक पहुंच चुका है। सरकार ने ड्रग्स के खिलाफ कई योजनाएं शुरू की हैं, जैसे "नशा मुक्त भारत अभियान", पर जमीनी हकीकत यह है कि माफिया का नेटवर्क लगातार मजबूत हो रहा है। ड्रग्स की सप्लाई चेन विदेशों से लेकर भारत के छोटे कस्बों तक फैली हुई है। इस पर नकेल कसने के लिए केवल कानून नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी जरूरी है।

कूटनीति: सहयोग और स्वायत्तता के बीच संतुलन रखना ही होगा

-मोदी–ट्रम्प संवाद: मित्रता के स्वर में स्वतंत्रता का आत्मविश्वास

पिछले कुछ वर्षों में विश्व राजनीति जिस तेज़ी से बदल रही है, उसने हर देश को अपनी विदेश नीति को नए सिरे से परिभाषित करने पर मजबूर किया है। एक ओर साम्राज्यवादी दांव–पेंच अब भी ज़िंदा हैं, दूसरी ओर नई शक्तियाँ उभरकर सामने आ रही हैं। ऐसे माहौल में भारत का संतुलन साधना बेहद चुनौतीपूर्ण है — खासतौर पर तब जब अमेरिका जैसे महाशक्ति राष्ट्र से मित्रता बनाए रखते हुए भी अपनी "रणनीतिक स्वायत्तता" को अक्षुण्ण रखना हो। पिछले कुछ हफ्तों में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई लगातार वार्ताओं ने इसी संतुलन की एक जीवंत तस्वीर पेश की। पहली नज़र में यह संवाद दोस्ती और सहयोग के प्रतीक लगे — लेकिन गहराई से देखें तो इन बातों में निहित कूटनीतिक संकेत कहीं अधिक गंभीर और जटिल हैं। ये वार्ताएँ केवल दो नेताओं की बातचीत नहीं, बल्कि दो राजनीतिक संस्कृतियों के बीच संवाद थीं — जहां मित्रता के स्वर में स्वतंत्रता की गूंज साफ़ सुनाई देती है।

संवाद का दृश्य और निहितार्थ

ट्रंप और मोदी दोनों ही नेताओं की राजनीतिक शख्सियतें मजबूत राष्ट्रवाद और आत्मविश्वास से भरी हैं। दोनों की लोकप्रियता इस बात पर टिकी है कि वे अपने–अपने देशों के हितों से कोई समझौता नहीं करते। जब ऐसे दो नेता आपस में संवाद करते हैं, तो यह केवल औपचारिक कूटनीति नहीं, बल्कि दो "राष्ट्–पहचान" के टकराव और तालमेल का संगम बन जाती है। दिवाली के मौके पर डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को शुभकामनाएं दीं और दक्षिण एशिया में स्थायी शांति की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों को युद्ध से बचने की दिशा में जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। यह वक्तव्य सतह पर सामान्य प्रतीत हुआ, परंतु इसके पीछे एक गहरा कूटनीतिक दबाव छिपा था — ट्रंप प्रशासन भारत को "संतुलन की भूमिका" में रखना चाहता था ताकि अमेरिका का दक्षिण एशिया में प्रभाव बना रहे। लेकिन भारत ने तुरंत इस कथन का खंडन करते हुए कहा कि बातचीत में पाकिस्तान का कोई ज़िक्र नहीं हुआ। यह भारत का बहुत स्पष्ट और दृढ़ संदेश था — कि नई दिल्ली किसी तीसरे देश के कहने पर अपनी विदेश नीति नहीं चलाएगी। यह वह पल था जब "मित्रता के स्वर में स्वतंत्रता का आत्मविश्वास" पूरी दुनिया ने महसूस किया।

कूटनीति की नई परिभाषा: 'हां' के भीतर 'ना' की गूंज

भारत की यह नीति न तो 'ना' है और न ही अंधी 'हां'। यह एक ऐसी सूझबूझ भरी स्थिति है जहां हर सहयोग की सीमा तय है और हर साझेदारी का मूल्यांकन भारत के राष्ट्रीय हित के पैमाने पर किया जाता है। यही आधुनिक भारतीय कूटनीति की आत्मा है। मोदी युग की विदेश नीति ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत किसी का पिछलग्गू नहीं बनेगा। चाहे अमेरिका के साथ रक्षा समझौते हों, इंडो–पैसिफिक रणनीति हो या क्वाड (QUAD) जैसे मंच — भारत हर जगह अपनी स्वतंत्र भूमिका निभाता दिखाई देता है। अमेरिका चाहता है कि भारत खुले तौर पर चीन के खिलाफ उसके पाले में खड़ा हो, मगर भारत ने हमेशा यह स्पष्ट किया है कि वह किसी गुट का हिस्सा नहीं, बल्कि "अपनी शर्तों पर साझेदारी" करने वाला देश है।

भारत–अमेरिका रिश्तों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत और अमेरिका के रिश्ते कई उतार–चढ़ाव से गुज़रे हैं। शीत युद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) की राह चुनी थी, जबकि अमेरिका ने पाकिस्तान को अपना रणनीतिक साझेदार बनाया। 1971 के भारत–पाक युद्ध में जब अमेरिका ने अपने युद्धपोत 'एंटरप्राइज' को बंगाल की खाड़ी में भेजा था, तब से भारतीय समाज में यह धारणा बनी कि अमेरिका भारत की संप्रभुता को चुनौती देता है। हालांकि 1990 के दशक के बाद, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था खुली और भारत ने सुधारों की राह पकड़ी, तब से अमेरिका के साथ संबंधों में नई गर्माहट आई। 2005 का भारत–अमेरिका परमाणु समझौता इन रिश्तों का सबसे बड़ा मोड़ था। तब से दोनों देशों के बीच रक्षा, तकनीक, ऊर्जा और शिक्षा में साझेदारी बढ़ी है। मगर इस बढ़ते सहयोग के बीच भी भारत ने कभी अपनी "रणनीतिक स्वतंत्रता" को नहीं छोड़ा — यही नीति आज मोदी युग में और मज़बूत रूप में सामने आई है।

ट्रंप युग और 'अमेरिका फर्स्ट' की चुनौती

डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति का मूलमंत्र था — "America First" यानी हर समझौता पहले अमेरिका के हित में होना चाहिए। ऐसे में भारत के लिए यह आसान नहीं था कि वह ट्रंप प्रशासन के साथ रिश्ते मधुर बनाए रखे और फिर भी अपनी स्वतंत्रता पर कोई आंच न आने दे। ट्रंप की नीतियों में एकतरफ़ापन साफ झलकता था — वे व्यापारिक समझौतों को पुनः तय करते, मित्र देशों से भी टैरिफ बढ़ा देते और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की अनदेखी करते थे। भारत को भी इसका सामना करना पड़ा। ट्रंप प्रशासन ने भारत से निर्यातित उत्पादों पर शुल्क बढ़ाए, जीएसपी (Generalized System of Preferences) से भारत को बाहर किया और व्यापार घाटे की शिकायतें कीं। इसके बावजूद मोदी सरकार ने संयमित और संतुलित रवैया अपनाया। भारत ने कभी अमेरिका से सार्वजनिक टकराव नहीं किया, लेकिन हर मंच पर अपने हितों की रक्षा की। यह कूटनीति का वह रूप था जहां दोस्ती के बावजूद स्वतंत्रता का स्वर मुखर था।

पाकिस्तान और आतंकवाद का मुद्दा

भारत के लिए अमेरिका के साथ संवाद का सबसे संवेदनशील पहलू हमेशा "पाकिस्तान नीति" रहा है। अमेरिका ऐतिहासिक रूप से पाकिस्तान को सैन्य सहयोग देता आया है, जबकि भारत हमेशा आतंकवाद के मुद्दे पर उसे कठघरे में खड़ा करता रहा है। ट्रंप युग में यह संतुलन बदलता हुआ दिखा — ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान को आतंकवाद का पनाहगाह बताया और उसकी सैन्य मदद रोकी। यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत थी। फिर भी जब ट्रंप ने भारत–पाक वार्ता की बात की, तो नई दिल्ली ने तुरंत स्पष्ट कर दिया कि यह उसका आंतरिक मामला है और तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं हो सकती। इस तरह भारत ने मित्रता की मर्यादा रखते हुए अपनी संप्रभुता की रक्षा की — और यही इस संवाद की असली ताकत थी।

चीन की छाया और इंडो–पैसिफिक रणनीति

ट्रंप प्रशासन के दौरान अमेरिका का मुख्य फोकस चीन को रोकना था। उसने "इंडो–पैसिफिक रणनीति" (Indo-Pacific Strategy) शुरू की, जिसमें भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया को जोड़कर एक नया सुरक्षा तंत्र बनाया गया — जिसे 'क्वाड' (QUAD) कहा गया। अमेरिका चाहता था कि भारत इस गठबंधन में सक्रिय होकर चीन के खिलाफ खुलकर खड़ा हो। लेकिन भारत ने यहां भी संतुलन साधा — उसने क्वाड में भागीदारी तो की, पर साथ ही चीन के साथ अपने आर्थिक संबंधों को भी जारी रखा। भारत जानता था कि क्षेत्रीय स्थिरता केवल सैन्य गठजोड़ से नहीं, बल्कि आर्थिक सहयोग से भी आती है। यह वही नीति है जिसे आज "मल्टी–अलाइनमेंट" (Multi-Alignment) कहा जाता है — यानी किसी एक धुरी में न रहकर कई देशों के साथ समानांतर सहयोग। यह नीति भारत की "रणनीतिक स्वायत्तता" की परिपक्व अभिव्यक्ति है।

'ह्स्टन' और 'हाउडी मोदी' की प्रतीकात्मक राजनीति

2019 में ह्स्टन (अमेरिका) में आयोजित 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम ने दुनिया को भारत–अमेरिका मित्रता की नई तस्वीर दिखाई।

तेजस्वी बनाम नीतीश: बदलाव की तलाश या भरोसे की वापसी?

-बिहार की सियासत में 2025 का फैसला किसके पक्ष में जाएगा?

बिहार की राजनीति में एक बार फिर सत्ता के समीकरण बनते-बिगड़ते दिख रहे हैं। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव—दो ऐसे नाम हैं जिनके इर्द-गिर्द राज्य की पूरी राजनीतिक कहानी घूमती रही है। एक ओर हैं नीतीश, जिन्होंने पिछले दो दशकों में "सुशासन बाबू" की पहचान बनाई, और दूसरी ओर हैं तेजस्वी यादव, जो बदलाव की राजनीति का चेहरा बनने की कोशिश कर रहे हैं। सवाल यही है कि इस बार बिहार की जनता किस दिशा में जाएगी—परंपरा के नाम पर स्थिरता चुनेगी या बदलाव के नाम पर नई राह?

भाजपा की रणनीति और चिराग पासवान की भूमिका

2020 का बिहार विधानसभा चुनाव कई मायनों में ऐतिहासिक था। उस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) यानी जद (यू) का कद घटाने की सोची-समझी रणनीति अपनाई थी। उस रणनीति का केंद्र बिंदु बने—चिराग पासवान। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने पूरे चुनाव में खुद को एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) का समर्थक बताते हुए भी जद (यू) के उम्मीदवारों के खिलाफ उम्मीदवार खड़े कर दिए। दिलचस्प यह था कि उन्होंने भाजपा प्रत्याशियों के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारे। नतीजतन, वोटों का नुकसान सीधे-सीधे नीतीश कुमार को हुआ। इस रणनीति का असर यह हुआ कि जद (यू) की 38 से अधिक सीटों पर सीधा नुकसान हुआ। नतीजे में नीतीश की पार्टी मात्र 43 सीटों पर सिमट गई, जबकि भाजपा ने 74 सीटें जीतकर बड़ा साझेदार बनने की स्थिति हासिल कर ली। भाजपा की यह चाल एक तीर से दो निशाने साधने वाली थी—पहला, नीतीश कुमार को गठबंधन में जूनियर पार्टनर बनाना; दूसरा, राज्य में भाजपा के संगठनात्मक वर्चस्व को मजबूत करना।

भाजपा की रणनीति का उल्टा असर

लेकिन यह रणनीति पूरी तरह सफल नहीं रही। क्योंकि जद (यू) को जिन सीटों पर नुकसान हुआ, उन पर अधिकतर जगह राजद (राष्ट्रीय जनता दल) ने फायदा उठाया। इस कारण राजद 75 सीटें जीतकर विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी बन गई। इस तरह भाजपा की राजनीति ने अनजाने में तेजस्वी यादव को मजबूती दे दी। अगर जद (यू) को वो 38 सीटें नहीं गंवानी पड़तीं, तो तेजस्वी यादव की पार्टी शायद 40 सीटों के आस-पास ही रुक जाती। एनडीए ने किसी तरह सरकार तो बना ली, लेकिन यह सरकार बहुत कमजोर आधार पर टिकी थी। कई सीटों पर जीत का अंतर बेहद मामूली था—कहीं 500 तो कहीं 2000 वोटों से भी कम। यही वह बिंदु था, जहां से बिहार की राजनीति में अस्थिरता की एक नई कहानी शुरू हुई।

नीतीश कुमार: दोस्ती, दूरी और द्वंद्व

इस घटनाक्रम के कुछ समय बाद मेरी नीतीश कुमार से मुलाकात हुई थी। तब मैं जद (यू) में नहीं था, क्योंकि एक साल पहले मुझे और प्रशांत किशोर को पार्टी से निकाल दिया गया था—कारण था सीएए और एनआरसी पर हमारी आलोचनात्मक राय। नीतीश कुमार से विचारधारात्मक मतभेद जरूर रहे, लेकिन हमारे बीच दोस्ती और संवाद हमेशा बना रहा। उस मुलाकात में उन्होंने खुद इस बात को स्वीकारा कि भाजपा की उस रणनीति ने उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर किया। वास्तव में यह सिर्फ अनैतिक नहीं, बल्कि खतरनाक रणनीति थी। क्योंकि इससे गठबंधन के भीतर अविश्वास बढ़ा और विपक्ष को अप्रत्याशित ताकत मिल गई। नीतीश कुमार का राजनीतिक आत्मविश्वास भी इससे डगमगा गया।

2025 के चुनावी समीकरण: सीट बंटवारा और सियासी बदलाव

अब 2025 का बिहार चुनाव सामने है। इस बार भाजपा और जद (यू) दोनों ही 101-101 सीटों पर लड़ने वाले हैं। यानी, सीटों की संख्या में समानता दिखाने की कोशिश की गई है, ताकि गठबंधन में बराबरी का संदेश दिया जा सके। लेकिन समानता के इस दिखावे के पीछे कई बड़े फर्क छिपे हैं।

नीतीश कुमार का स्वास्थ्य और थकान: 2020 की तुलना में नीतीश अब काफी कमजोर दिख रहे हैं—शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से। उनकी पार्टी का संगठनात्मक ढांचा भी पहले जैसा मजबूत नहीं रहा।

जद (यू) की गिरती साख:

कई जिलों में जद (यू) के पुराने कार्यकर्ता या तो निष्क्रिय हो गए हैं या अन्य दलों में चले गए हैं। स्थानीय स्तर पर पार्टी की पकड़ ढीली पड़ चुकी है।

तेजस्वी यादव की नई ऊर्जा: राजद के नेता तेजस्वी यादव युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। बेरोजगारी, पलायन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर उन्होंने लगातार आवाज़ उठाई है। उनकी सभाओं में भीड़ बढ़ रही है और सोशल मीडिया पर उनकी उपस्थिति मजबूत हुई है।

क्या नीतीश अब भी 'चेहरा' रहेंगे?

बिहार में चुनाव जब भी आते हैं, सवाल यही उठता है—क्या नीतीश अब भी गठबंधन का चेहरा होंगे? नीतीश कुमार के पास प्रशासनिक अनुभव, शासन की समझ और लंबे कार्यकाल का रिकॉर्ड जरूर है, लेकिन जनता के बीच उनकी छवि अब "थके हुए नेता" की बनती जा रही है। बार-बार गठबंधन बदलने से उनकी विश्वसनीयता भी प्रभावित हुई है। दूसरी ओर भाजपा के अंदर एक नया आत्मविश्वास है। पार्टी के युवा नेता चाहते हैं कि इस बार मुख्यमंत्री का चेहरा भाजपा से हो। भाजपा जानती है कि नीतीश के नाम पर अब जनता को पहले जैसी सहानुभूति नहीं मिल रही। भाजपा के रणनीतिकारों का मानना है कि अगर नीतीश को एक बार फिर "मुख्यमंत्री उम्मीदवार" के रूप में प्रोजेक्ट किया गया, तो वह जनता में उत्साह नहीं जगा पाएंगे।

तेजस्वी यादव की चुनौती

तेजस्वी यादव ने पिछले कुछ वर्षों में खुद को एक परिपक्व राजनेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश की है। वह अब सिर्फ "लालू यादव के बेटे" नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र नेता के रूप में उभर रहे हैं। उनकी सभाओं में बढ़ती भीड़ और युवाओं में लोकप्रियता इस बात का प्रमाण है कि जनता "बदलाव" को लेकर गंभीरता से सोच रही है। उन्होंने अपने भाषणों में न तो अत्यधिक आक्रामकता दिखाई है, न ही कटुता—बल्कि संयम और व्यवहारिकता का परिचय दिया है। राजद का वोट बैंक—यादव, मुस्लिम और पिछड़ी जातियाँ—अभी भी मजबूत है। अगर वे इसमें दलितों और महिलाओं का विश्वास जोड़ने में सफल रहे, तो समीकरण बहुत तेजी से उनके पक्ष में जा सकते हैं।

चिराग पासवान की वापसी और उसकी अहमियत

2020 में केवल एक सीट जीतने वाली लोजपा (रामविलास) इस बार 29 सीटों पर मैदान में है। चिराग पासवान अब भाजपा के और भी नजदीक दिख रहे हैं, लेकिन नीतीश के लिए उनकी मौजूदगी चिंता का सबब है। चिराग को भाजपा का "अनौपचारिक हथियार" माना जा रहा है, जो जद (यू) के परंपरागत वोट बैंक को तोड़ सकता है। विशेषकर अति पिछड़े वर्ग और दलित मतदाताओं में चिराग की अपील धीरे-धीरे बढ़ रही है।

अमेरिका–रूस टकराव में भारत को हो रहा नुकसान

-तेल, व्यापार और कूटनीति के चौराहे पर फंसा भारत

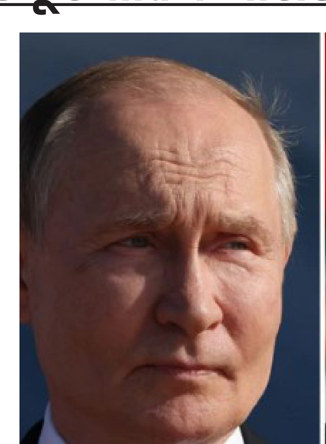

अंतरराष्ट्रीय राजनीति का खेल अब सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें ऊर्जा, अर्थव्यवस्था, तकनीक और सुरक्षा—सबके तार एक-दूसरे से जुड़ गए हैं। आज जो अमेरिका और रूस के बीच टकराव चल रहा है, उसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। इस संघर्ष की सबसे बड़ी कीमत उन देशों को चुकानी पड़ रही है जो दोनों महाशक्तियों के साथ संतुलन बनाकर चलते हैं—और भारत उनमें सबसे प्रमुख है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों पर सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। यह वही कंपनियां हैं जिनसे भारत को सस्ती दरों पर कच्चा तेल मिल रहा था। ट्रम्प प्रशासन ने यह फैसला ऐसे समय में लिया है जब भारतीय प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन में ट्रेड डील को अंतिम रूप देने के लिए बैठा हुआ था। इस स्थिति ने भारत को एक मुश्किल मोड़ पर खड़ा कर दिया है—जहां उसे अमेरिका और रूस दोनों में से किसी एक का पक्ष चुनने के लिए दबाव झेलना पड़ रहा है।

अमेरिकी प्रतिबंधों का संदर्भ और असर

अमेरिका ने रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों—रोसनेफ्ट (Rosneft) और गैज़प्रोम (Gazprom)—पर यह कहते हुए प्रतिबंध लगाया कि वे "यूक्रेन संकट" में रूस की आक्रामक नीतियों को आर्थिक समर्थन दे रही हैं। अमेरिकी नज़र में इन कंपनियों के साथ कारोबार करने वाला कोई भी देश या संस्था "दुश्मन की मदद" करने जैसा अपराध कर रहा है। भारत के लिए यह निर्णय इसलिए परेशानी भरा है क्योंकि रूस भारत के लिए तेल का एक भरोसेमंद और सस्ता स्रोत रहा है। अमेरिका ने संकेत दिया है कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखता है तो उसे 50% तक का टैरिफ झेलना पड़ सकता है। यानी भारत को यह तय करना होगा कि वह या तो रूस से तेल लेना बंद करे, या फिर अमेरिकी आर्थिक दबाव को स्वीकार करे।

भारत की आर्थिक स्थिति पर सीधा असर

भारत अपनी कुल ऊर्जा ज़रूरत का 85% कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में रूस जैसे साझेदार से सस्ता तेल मिलना न सिर्फ अर्थव्यवस्था के लिए राहत भरा होता है बल्कि विनिर्माण (Manufacturing), परिवहन, और एमएसएमई (MSME) जैसे क्षेत्रों की लागत भी कम रखता है। अभी की स्थिति में यदि भारत रूस से तेल लेना बंद कर देता है और वैश्विक बाजार—खासकर पश्चिम एशिया, अमेरिका या अफ्रीका—से तेल खरीदता है तो उसे लगभग 4.5 अरब डॉलर का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ेगा। यह घाटा अंततः भारतीय उपभोक्ता पर पड़ेगा क्योंकि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी लगभग तय है। भारत सरकार की एक चिंता यह भी है कि इस अस्थिरता का असर एमएसएमई सेक्टर पर दिखने लगा है। इस क्षेत्र में लगभग 12 करोड़ रोजगार जुड़े हैं। जब तेल महंगा होगा, तो उत्पादन और परिवहन की लागत बढ़ेगी, जिससे छोटे उद्योगों की प्रतिस्पर्धा घटेगी।

अमेरिका से व्यापारिक उम्मीदें और बढ़ता दबाव

भारत ने हाल के वर्षों में अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों को गहराई देने की कोशिश की है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 190 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। भारत अब यह चाहता है कि अमेरिका अगस्त 2025 में लगाए गए 25% सेकेंडरी टैरिफ को हटा दे और सामान्य 25% टैरिफ को भी घटाकर 17% से कम करे। लेकिन मौजूदा माहौल में यह आसान नहीं दिखता। ट्रम्प प्रशासन लगातार "अमेरिका फर्स्ट" नीति पर चल रहा है। उसके लिए प्राथमिकता यह है कि जो देश अमेरिका के रणनीतिक हितों का समर्थन करें, उन्हें आर्थिक राहत दी जाए। जो देश रूस या चीन के साथ कारोबार जारी रखेंगे, उन्हें "पेनाल्टी" भुगतनी पड़ेगी।

भारत की तेल कूटनीति – अतीत और वर्तमान

भारत ने अतीत में भी कई बार अमेरिकी दबाव के कारण अपनी स्वतंत्र आर्थिक नीति में बदलाव किया है।

ईरान से तेल आयात बंद करना – जब ट्रम्प सरकार ने ईरान पर प्रतिबंध लगाए, भारत को भी तेहरान से तेल खरीदना बंद करना पड़ा। जबकि ईरानी तेल न सिर्फ सस्ता था बल्कि भारत को रुपये में भुगतान की सुविधा भी देता था। वेनेजुएला से तेल आयात रोकना – इसी तरह, अमेरिका ने जब वेनेजुएला पर "तानाशाही शासन" के आरोप लगाकर प्रतिबंध लगाए, भारत ने वहां से भी तेल लेना बंद कर दिया। इन दोनों मामलों में भारत ने अमेरिकी नीति के अनुरूप चलने का रास्ता चुना। लेकिन रूस के साथ स्थिति अलग है। रूस न केवल भारत का दीर्घकालिक सामरिक साझेदार है, बल्कि रक्षा, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष सहयोग जैसे क्षेत्रों में भी प्रमुख भागीदार है।

रूस-भारत संबंधों की ऐतिहासिक गहराई

रूस और भारत के रिश्ते शीत युद्ध के दौर से ही बेहद मजबूत रहे हैं। जब अमेरिका पाकिस्तान का करीबी सहयोगी था, तब सोवियत संघ ने भारत का साथ दिया। 1971 के बांग्लादेश युद्ध के समय सोवियत संघ ने भारत का राजनयिक और सैन्य समर्थन किया। रक्षा सौदों में आज भी भारत का लगभग 60% उपकरण रूसी तकनीक पर आधारित है। परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और स्पेस प्रोजेक्ट्स में भी रूस भारत का सबसे भरोसेमंद साझेदार रहा है। इसी ऐतिहासिक रिश्ते के कारण रूस भारत की मौजूदा मुश्किलों को समझता है। उसने संकेत दिया है कि "भारत जैसी उभरती शक्ति को अपनी ऊर्जा नीति तय करने की पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए।" रूस का यह बयान अमेरिका के लिए एक कूटनीतिक चुनौती बन गया है।

रूस की प्रतिक्रिया और भारत की दुविधा

रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि "कोई भी राष्ट्र अपने आत्म–गौरव और संप्रभुता की कीमत पर फैसले नहीं ले सकता।" इस कथन के ज़रिए रूस ने अमेरिका के दबाव की आलोचना की है। भारत के लिए यह भावनात्मक भी है क्योंकि रूस दशकों से "मुश्किल वक्त का दोस्त" रहा है। लेकिन नई आर्थिक वास्तविकता यह है कि भारत को अब पश्चिमी बाजारों की भी ज़रूरत है। अमेरिका भारत के लिए सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है, खासकर आईटी सेवाओं, टेक्सटाइल, फार्मा और मशीनरी के क्षेत्र में। अगर भारत रूस का खुला समर्थन करता है, तो यह अमेरिकी बाज़ार में भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त टैरिफ या प्रतिबंध को जन्म दे सकता है। यानी भारत को हर कदम नाप-तौलकर रखना होगा—जहां रणनीतिक स्वतंत्रता भी बनी रहे और आर्थिक नुकसान भी न हो।

पुलिस मुख्यालय में डीजीपी राजीव शर्मा की अध्यक्षता में हाईलेवल बैठक

- राजस्थान में गैंग और हार्डकोर अपराधियों के विरुद्ध राज्य स्तर पर कार्यवाही के लिए दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में सक्रिय संगठित आपराधिक गैंगों पर प्रभावी कार्यवाही के लिए शनिवार को राजस्थान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय में संगठित अपराधियों से अधिक प्रभावित जिलों व रेंजों के अधिकारियों की एक हाईलेवल बैठक आयोजित की गई। संबंधित पुलिस अधीक्षक, रेंज आईजी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस बैठक में शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य राज्य में सक्रिय आपराधिक गैंगों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना था। डीजीपी शर्मा ने सभी जिलों को निर्देश दिए कि गैंग संचालन, धमकी, वसूली, फायरिंग और मर्डर जैसे गंभीर अपराधों में लिप्त तत्वों पर तुरंत प्रभावी कार्रवाई की जाए। बैठक में एजीटीएफ प्रभारी दिनेश एम एन,एडीजी बीजू जॉर्ज जोसफ, जयपुर पुलिस कमीश्नर सचिन मित्तल, एडीजी अपराध शाखा हवा सिंह, एटीएस/एसओजी के अधिकारी, अपराध शाखा के अधिकारी, बीकानेर, अजमेर, जोधपुर रेंज के अधिकारी, जयपुर व जोधपुर कमिश्नरेट के अधिकारी, 15 जिलों के एसपी, इन रेंज व जिलों के डीएसटी व साइबर सेल के प्रभारी उपस्थित रहे।

डीजीपी ने कहा कि राजस्थान पुलिस संगठित अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। अपराधियों को हतोत्साहित करना और जनता में सुरक्षा की भावना बनाए रखना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कार्य में प्रत्येक पुलिसकर्मी को पूरी क्षमता से काम करना होगा। इस दौरान उन्होंने राजस्थान पुलिस की हर अपराध तथा हर परिस्थिति का सामना करने और जनसुरक्षा की प्रतिबद्धता को भी उजागर किया।

गैंग से जुड़ी गतिविधियों पर सख्ती बरतने के निर्देश:—

गोष्ठी में डीजीपी शर्मा ने स्पष्ट कहा कि अब कार्रवाई केवल अपराधियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरे आपराधिक तंत्र को ध्वस्त किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्थान में संगठित आपराधिक गैंगों, जो धमकी देने, वसूली करने और भय फैलाने का काम करते हैं, उनका और उनके सदस्यों का चिह्नीकरण करते हुए कठोर एवं प्रभावी क़ानूनी कार्यवाही की जावें। उन्होंने गैंगों के सहायक,सोशल मीडिया पर फॉलो व प्रमोट करने वालों के विरुद्ध भी कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिलों एवं रेंजों के प्रभारियों ने अपने—अपने कार्यक्षेत्रों में संगठित अपराधियों की जानकारी व उनको निष्क्रिय करने की कार्ययोजना प्रस्तुत की। डीजीपी ने कहा कि जिलों में गैंग के सक्रिय सदस्यों पर धारा 111 बीएनएस के तहत कार्यवाही की जाए, ताकि अपराधियों के हौसले पस्त हों। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधियों की सम्पत्ति जब्त करने, वित्तीय स्रोतों पर प्रहार करने और उनके सहयोगियों को भी कानूनी दायरे में लाने के लिए ठोस कार्य योजना बनाई जाए। उन्होंने समस्त राजस्थान पुलिस को टीम वर्क के रूप में कार्य करने, तकनीक पर जोर देने तथा परम्परागत तरीकों के साथ-साथ नवीन कार्यप्रणाली अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि चिह्नित अपराधियों और गैंगों के विरुद्ध समस्त सूचनाओं को आपस में साझा किया ताकि उन्हें जड़ से निष्क्रिय किया जा सके।

फायरिंग, मर्डर, धमकी के मामलों की समीक्षा —

गोष्ठी में फायरिंग व मर्डर से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। डीजीपी ने निर्देश दिए कि जिन मामलों में गिरफ्तारी शेष है, उन्हें प्राथमिकता से निपटाया जाए। फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाने और अदालतों में पेश चालान की स्थिति की भी रिपोर्ट मांगी गई। उन्होंने कहा कि जिलों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार कई स्थानों पर अपराधियों द्वारा धमकी भरे कॉल आने की शिकायतें मिली हैं। डीजीपी ने ऐसे मामलों में तकनीकी विश्लेषण कर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अपराधियों की धमकी या भय का वातावरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वरिष्ठ अधिकारियों से लिए महत्वपूर्ण इनपुट :—

बैठक में उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अपने अनुभव और कार्ययोजना साझा की। एडीजी दिनेश एम एनने गैंगों के सदस्यों, उनके द्वारा किए जाने वाले अपराधों की जानकारी तथा उनके विरुद्ध की जाने वाली कार्यवाही के बारे में विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की। बीजू जॉर्ज जोसेफ ने प्रत्येक अपराधी का सिलसिलेवार पीछा करके उनको पकड़ने पर जोर दिया। हवासिंह ने पुराने अपराधों व अपराधियों का पीछा करने के लिए कार्ययोजना पर चर्चा की और समस्त गैंगों का सफाया करने का सुझाव दिया। सचिन मित्तल ने अपराधियों के रिकॉर्ड को ठीक से बनाने और उसे आपस में साझा करने पर बल दिया ताकि सूचनाओं के आदान प्रदान से प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जा सके।

15 मिनट की पीपीटी प्रस्तुति में हुई समीक्षा —

गोष्ठी के अंत में सभी जिलों की अपराध स्थिति पर 15 मिनट की पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति दी गई, जिसमें गैंगवार, धमकी, वसूली और संगठित अपराध से संबंधित ताज़ा आंकड़े साझा किए गए।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने फतेहपुर शेखावाटी में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह में की सहभागिता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शनिवार को फतेहपुर शेखावाटी में आयोजित "आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह" में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम कस्बे के सूर्य मंडल परिसर में आआयोजित किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा के साथ राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सलाहकार राजिक फरसीवाला, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री के फतेहपुर आगमन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं

नागरिकों द्वारा पुष्पमालाओं, साफा एवं स्मृति चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात उन्होंने बुद्धगिरी मढ़ी परिसर पहुंचकर महंत दिनेश गिरी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्य समारोह में स्थानीय समाजों, महिला मंडलों एवं युवाओं ने पारंपरिक परिधानों में भाग लेते हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं तथा स्थानीय उत्पादों एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया।

उप मुख्यमंत्री बैरवा ने अपने संबोधन में कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ग्रामीण एवं स्थानीय स्तर पर स्वदेशी उत्पादों और उद्योगों को प्रोत्साहन देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने से न केवल क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं तथा सामाजिक एकता, स्वच्छता और विकास के प्रति सभी नागरिकों से संयुक्त प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, अधिकारी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गिव-अप अभियान में प्रदेश में 41 लाख लोगों ने स्वेच्छा से छोड़ा लाभ

-69 लाख से अधिक नए लाभार्थी खाद्य सुरक्षा योजना में जुड़े

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र परिवार खाद्य सुरक्षा के लाभ से वंचित न रहे एवं हर पात्र परिवार तक अन्न सुरक्षा का लाभ पहुंचे। योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संवेदनशीलता हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अपात्र लाभार्थियों को स्वेच्छा से बाहर आने के लिए प्रेरित करना एवं पात्र परिवारों को समय पर बेहतर ढंग से राशन उपलब्ध कराना ही राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

खाद्य मंत्री गोदारा की अध्यक्षता में शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार, जैसलमेर में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में नवाचार के रुप में गिव-अप अभियान का संचालन पूरे प्रदेश में किया गया जिसमें खाद्य सुरक्षा के अन्तर्गत लगभग 41 लाख लाभार्थियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा का लाभ छोड़ा हैं। वहीं पात्रता के आधार पर प्रदेश मे लगभग 69 लाख से अधिक नए लाभार्थियो के नाम खाद्य सुरक्षा सूची में जोड़े गये है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ हैं कि जरुरतमंद परिवार

को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिलें। उन्होंने कहा कि जैसलमेर जिले में इस अभियान के तहत 43 हजार 164 लाभार्थियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा का लाभ छोड़ा जबकि 70 हजार 821 नए पात्र परिवारों को इस योजना से जोड़ा गया है। गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा में उचित मूल्य दुकानदारों के कमीशन में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई वहीं पूर्व में उन्हें समय पर कमीशन भी नहीं मिलता था, लेकिन वर्तमान सरकार के प्रयासों से प्रदेश में अगस्त-सितम्बर, 2025 तक का कमीशन का भुगतान राशन डीलरों को किया जा चुका है एवं आने वाले समय में ओर तेजी के साथ उन्हें कमीशन का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने जिले में जिला प्रशासन एवं रसद विभाग के अधिकारियों द्वारा गिव-अप अभियान में किये गए कार्यो की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गिव—अप अभियान को गति देते हुए ऐसे अपात्र लाभार्थियों, जिनमें आयकरदाता, राज्य/केंद्र सरकार के कर्मचारी, चारपहिया वाहनधारक एवं वार्षिक एक लाख रुपये से अधिक आय वाले परिवार शामिल हैं, को खाद्य सुरक्षा सूची से स्वेच्छा से बाहर करने के लिए जनजागरूकता बढ़ाई जाए। उन्होंने जिले में नई उचित मूल्य दुकानों की शीघ्र ही विज्ञप्ति जारी कर उसकी भी उचित कार्यवाही समय पर करने के निर्देश दिए ताकि उस क्षेत्र में भी लोगों को स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा का लाभ मिलें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे इस अभियान में अभी भी खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र है उनको प्रेरित कर योजना से बाहर कराये एवं पात्र लोगों को जुड़वाए। बैठक में एनएफएसए पोर्टल पर वर्ष 2022 एवं 2025 के लम्बित आवेदनों के निस्तारण, जांच समितियों की रिपोर्ट की अनुपालना, स्वीकृत आवेदनों के रेण्डम सत्यापन, नये लाभार्थियों की आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी की स्थिति, राशन डीलरों एवं परिवहनकर्ताओं के बकाया भुगतान संबंधी प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की।

वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने अलवर में प्रतिभावान बच्चों को किया सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शनिवार को राजगढ में ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मिलित हो कर प्रतिभाओं का सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने ब्राह्मण समाज के मे धावी बालक-बालिका ओं एवं राजकीय सेवा में नियुक्ति प्राप्त करने वाले युवाओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनको सम्मानित किया। शर्मा ने कहा कि देश एवं समाज की उन्नति में युवाओं की अहम भूमिका होती है तथा प्रतिभाओं के सम्मान में माता-पिता और गुरूजनों का महत्वपूर्ण योगदान

होता है। उन्होंने कहा कि सच्ची लगन व कडी मेहनत के बल पर किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से अपने माता-पिता और गुरूजनों की सेवा के साथ जीवन में संवेदनशीलता अपना कर विकसित भारत के संकल्प को साकार करने आह्वान किया। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बडी संख्यामें युवा तथा आमजन मौजूद रहे।

डिस्कॉम्स ने विशेष अभियान चलाकर प्रदेशभर में 37 हजार 251 घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी किए

-जयपुर डिस्कॉम की पहल, स्टार रेटिंग के जरिए उपभोक्ता दे सकेंगे फीडबैक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुसार प्रदेश में आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ विद्त सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री के निर्देश पर डिस्कॉम्स ने निरंतर विद्त सेवाओं में सुधार करते हुए इन्हें उपभोक्ता अनुकूल एवं जवाबदेह बनाने के नवाचार किए हैं। प्रदेश के तीनों डिस्कॉम्स ने दीपावली से पूर्व विशेष अभियान चलाकर प्रदेशभर में 37 हजार 251 घरेलू विद्त कनेक्शन जारी किए हैं। वहीं, जयपुर डिस्कॉम ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 'स्टार रेटिंग' का फीडबैक सिस्टम संबंधी नवाचार भी प्रारंभ किया है।

1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाकर दिए गए विद्त कनेक्शन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता तथा ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर के मार्गदर्शन में तीनों डिस्कॉम्स द्वारा 1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया गया। जिसके तहत लंबित प्रकरणों के साथ-साथ नए प्रकरणों में दस्तावेज की जांच, साइट वेरीफिकेशन, डिमांड नोट जारी करने सहित अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा कर कनेक्शन प्रदान किए गए। साथ ही, मुख्यालय द्वारा सभी भंडार शाखाओं को आवश्यक लाइन मैटेरियल की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई। इसके परिणामस्वरूप कुल 37 हजार 251 घरेलू विद्त कनेक्शन जारी किए गए। इनमें जयपुर डिस्कॉम ने 17 हजार 373, अजमेर डिस्कॉम ने 15 हजार 433 तथा जोधपुर डिस्कॉम ने 4 हजार 445 घरेलू कनेक्शन जारी किए हैं।

नवीन विद्त कनेक्शन पर 'स्टार रेटिंग' का नवाचार, फीडबैक से बेहतर होंगी सेवाएं

जयपुर डिस्कॉम ने विद्त कनेक्शन जारी करने में आने वाली समस्याओं के संबंध में जानकारी लेने एवं निचले स्तर तक मॉनीटरिंग को आसान बनाने के लिए स्वतंत्र फीडबैक सिस्टम का नवाचार किया है। इस मैकेनिज्म में नया घरेलू कनेक्शन जारी होने के बाद आवेदक को मोबाइल एप्लीकेशन 'बिजली मित्र' डाउनलोड करने का एसएमएस प्राप्त होगा। एप्लीकेशन डाउनलोड करते ही 'के' नम्बर ड़ालने पर उपभोक्ता को फीडबैक पॉप अप दिखाई देगा। इस पॉप अप पर क्लिक करते ही उपभोक्ता कनेक्शन प्राप्त करने के अपने अनुभव 1 से 5 स्टार रेटिंग के जरिए प्रदान कर सकेंगे। इनकी वृत्त तथा सब डिविजन स्तर पर प्रत्येक माह समीक्षा होगी तथा डिस्कॉम द्वारा नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। इसके आधार पर अधीक्षण अभियंता तथा सहायक अभियंता कार्यालयों की भी रैंकिंग तय होगी। इससे सेवाओं को बेहतर एवं प्रभावी बनाने में डिस्कॉम प्रबंधन को मदद मिलेगी। साथ ही, अधिकारियों अथवा कार्मिकों की कार्यशैली की भी मॉनीटरिंग हो सकेगी। इसी तरह, जयपुर डिस्कॉम ने बिजली कनेक्शन को लेकर उपभोक्ताओं से हैल्पलाइन सेवा 181 के माध्यम से भी फीडबैक लिया था। इस प्रक्रिया में 1 अप्रैल, 2025 से 15 अगस्त 2025 के दौरान विद्त कनेक्शन लेने वाले 75 हजार 746 उपभोक्ताओं को मोबाइल पर कॉल किए गए। इसके जरिए उपभोक्ताओं ने बिजली कनेक्शन जारी होने संबंधित अपने अनुभव साझा किए।

अंता विधानसभा उपचुनाव-2025

पुलिस पर्यवेक्षक गगनदीप गंभीर ने किया संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण

-अधिकारियों को सतर्क एवं सक्रिय रहने के निर्देश दिए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अंता विधानसभा उपचुनाव 2025 के लिए नियुक्त पुलिस पर्यवेक्षक गगनदीप गंभीर ने विधानसभा क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति और सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। पुलिस पर्यवेक्षक ने अंता-पलायथा चेक पोस्ट का दौरा किया, जहां उन्होंने संयुक्त टीम द्वारा अब तक की गई चेकिंग का विस्तृत विवरण लिया। इस दौरान उन्होंने चेक पोस्ट की व्यवस्थाओं, रिकॉर्ड संधारण एवं वाहनों की जांच प्रक्रिया की जानकारी ली। साथ ही स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बॉयज कॉलेज स्थित स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और सभी आवश्यक सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गगनदीप गंभीर ने सोरसन, अंता, सीसवाली और मूण्डली क्षेत्रों में एरिया डोमिनेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त करें और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखें ताकि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न हो सके।

पुलिस पर्यवेक्षक ने मांगरोल क्षेत्र के संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्र बोहत, भटवाड़ा, जलोदा तेजाजी, माल बम्बोरी और रकसपुरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान के दिन किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या भय का माहौल न बने, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को सतर्क एवं सक्रिय रहने के निर्देश दिए। इसी क्रम में उन्होंने बारां सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अतिसंवेदनशील मतदान केंद्र बामला एवं कोटड़ी तुलसां का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि मतदाता निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। निरीक्षण के दौरान एडीएम भंवर लाल जनागल, एएसपी राजेश चौधरी, पुलिस अधिकारी एवं लाईजनिंग अधिकारी भी उपस्थित रहे। पुलिस पर्यवेक्षक गगनदीप गंभीर ने कहा कि निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराना प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी प्रकार की शिकायत या संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जाए।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने लोक देवता बाबा रामदेव की समाधि के किए दर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री सुमित गोदारा ने शनिवार को सुप्रसिद्ध लोक देवता बाबा रामदेव जी की समाधि स्थल पर दर्शन किए एवं विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली, जन-जन के कल्याण एवं समृद्धि की मंगल कामना की। मुख्य पुजारी ने उन्हें विधि-विधान से पूजा-अर्चना करवाई एवं बाबा रामदेव जी के आशीर्वाद का प्रसाद प्रदान किया। खाद्य मंत्री गोदारा ने इस अवसर पर कहा कि लोक देवता बाबा रामदेव का जीवन समाज सेवा, समानता एवं लोक कल्याण की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बाबा रामदेव का संदेश "सर्व धर्म समभाव एवं मानवता" आज भी समाज को एकता एवं सद्भाव की दिशा में अग्रसर करता है। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जगदीश सैनी मन की बात कार्यक्रम का प्रदेश संयोजक बने

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार मन की बात कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक के पद पर जगदीश सैनी (गुड् सैनी) को मनोनीत किया गया है इस पर भाजपा में ख़ुशी की लहर दौड़ गई है। गुड् सैनी ने भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा "मन की बात कार्यक्रम" का दायित्व मिलने पर प्रदेश,शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

अपनों के लिए सदैव दिल का दरवाजा खुला रखें - मोहन कुड़ी

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। ग़रीब लड़कियों की शादी में 51 हजार रुपए देने वाले, विद्यालयों में कम्प्यूटर सभी सामानों के देने वाले, विद्यालयों में चबूतरा व स्वागत द्वार बनवाने वाले, माइक सैट देने वाले, शिक्षा विभाग के द्वारा भामाशाह का अवार्ड लेने वाले भामाशाह मोहन कुड़ी ने कहा कि अपनों के लिए सदैव दिल का दरवाजा खुला रखें, यह शब्द कुड़ी ने दीपावली स्नहे मिलन समारोह में कहे। कुड़ी ने कहा कि तन की सुंदरता के साथ मन को भी सुंदर बनाएं क्योंकि अपने तो अपने होते हैं अपनों के लिए सदैव दिल का दरवाजा खुला रखें आपसे टकराहट को द्वेष था को

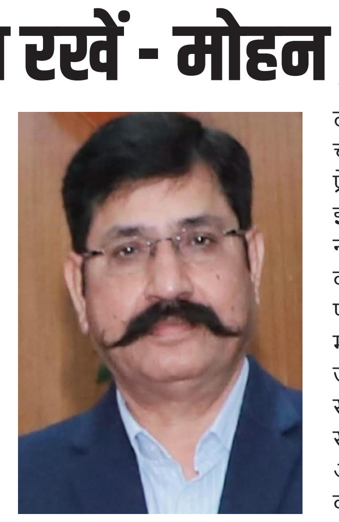

छोड़कर शांति का दामन थामें। कुड़ी ने कहा कि जीवन मे कभी कभी आपसी मन मुटाव हो जाते है त्योहारों पर आपसी मन मुटावो को भूला कर एक दुजे के गले लगकर दीपावली की शुभकामनाएं देनी चाहिए। कुड़ी ने कहा कि आपसी प्रेम स्नेह व भाईचारा बनाए रखें इसके बिना भारत देश तरक्की नहीं कर सकता है। कुड़ी ने कहा कि आपको एवं आपके परिवार को दीपावली की हार्दिक मंगलकामनायें। यह पर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। आइए, हम सब मिलकर समाज में प्रेम,सद्भाव और सकारात्मकता का संचार करें। इसके बाद उपस्तिथ लोगो को मिठाईयां वितरण की गई। कुड़ी ने दीपावली पर गरीब व बेसहारा आदि की भरपूर मदद की जिससे उनके उदास चेहरे ख़ुशी से झूम उठे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

चुनाव पर्यवेक्षक ने किया मीडिया सेंटर का अवलोकन

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अंता विधानसभा उपचुनाव पर निगरानी के लिए नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक सुभाश्री नंदा ने शुक्रवार को मिनी सचिवालय में स्थापित मीडिया सेंटर का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पर्यवेक्षक नंदा ने मीडिया सेंटर में पेड न्यूज व आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन संबंधी समाचारों व विज्ञापनों पर 24 घंटे निगरानी के लिए लगाए गए टेलीविजनों पर विभिन्न चैनलों के प्रसारण व उनकी रिकॉर्डिंग की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। साथ ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट इत्यादि पर निगरानी के लिए अपनाए जा रहे तरीकों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। नंदा ने पेड न्यूज व आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित समाचारों को लेकर की गई कार्यवाही की भी समीक्षा की। इस दौरान मीडिया प्रभारी अधिकारी योगेन्द्र शर्मा ने पर्यवेक्षक को बताया कि मीडिया सेन्टर पर तीन पारियों में 24 घंटे प्रिन्ट, इलेक्ट्रानिक व सोशल मीडिया पर निगरानी रखी जा रही है। आपत्तिजनक समाचारों व पोस्ट इत्यादि के मामलों में एमसीएमसी की बैठक करते हुए नियमित रूप से कार्यवाही की जा रही है। इस दौरान सहायक प्रभारी मोहन लाल भी मौजूद थे।

अंता विधानसभा उपचुनाव- 2025 जनरल ऑ जर्वर ने किया संवेदनशील मतदान केंद्रों का निरीक्षण

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा उपचुनाव 2025 के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त जनरल ऑब्जर्वर सुभाश्री नंदा ने शुक्रवार को संवेदनशील सहित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान तैयारियों की समीक्षा करते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी मतदान संपन्न कराने के दिशा-निर्देश दिए। नंदा ने निरीक्षण के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर बिजली, पेयजल, शौचालय, रैम्प, शेड, व्हीलचेयर तथा प्रतीक्षा स्थल जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। नंदा ने कहा कि मतदान प्रक्रिया में सुरक्षा की दृष्टि से लापरवाही न हो और सभी मतदाताओं को मतदान दिवस पर बेहतर सुविधा उपलब्ध हो। साथ ही मतदान दल कार्मिकों की सुविधा का भी ध्यान रखा जाए। साथ ही कानून व्यवस्था को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। इस दौरान उन्होंने बामला, कोटड़ी तुलसां व चौकी बोरदा आदि के मतदान केन्द्रों का जायजा लिया। जनरल ऑब्जर्वर ने दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों और महिला मतदाताओं के लिए की जा रही तैयारियों की जानकारी ली और निर्देश दिए कि 11 नवम्बर को मतदान दिवस के दिन उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार दशरथ मीणा, लाइजनिंग ऑफिसर एवं सहायक निदेशक जूही अग्रवाल, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी सहित संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सहमति से खाता विभाजन होने पर जताया मुख्यमंत्री और राज्य सरकार का आभार

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिले में आयोजित हो रहे ग्रामीण सेवा शिविरों में हाथों-हाथ आमजन की समस्याओं का समाधान हो रहा है। साथ ही उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मौके पर ही लाभ मिल रहा है। राहत मिलने पर लाभार्थियों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री और राजस्थान सरकार का आभार जताया जा रहा है। जिले के उपखण्ड अनूपगढ़ की ग्राम पंचायत 74 जीबी में शुक्रवार को आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान गुरदास सिंह पुत्र जगदेव सिंह हर चरण सिंह पुत्र जसवीर सिंहए ब्रह्मपाल सिंह पुत्र तेजा सिंह निवासी बुड़सिंहवाला जिला हनुमानगढ़ ने आपसी सहमति से खाता विभाजन के लिए आवेदन किया। शिविर में ही समस्त प्रक्रिया पूर्ण कर आवेदकों को सहमति से खाता विभाजन का प्रमाण पत्र सौंपा गया। हाथोंहाथ शिविर में खाता विभाजन का लाभ मिलने पर लाभार्थियों द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों और आमजन की सहभागिता के साथ मनाया जाए गंगानगर का स्थापना

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। गंगानगर जिले के स्थापना दिवस (26 अक्टूबर-2025) को समारोहपूर्वक आयोजित करने के संबंध में शुक्रवार को तैयारियों की समीक्षा हेतु बैठक जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने 25 से 27 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय गंग महोत्सव तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि उक्त कार्यक्रमों में आमजन की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाए। तीन दिवसीय गंग महोत्सव के तहत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रम तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि समस्त कार्यक्रमों में माननीय जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ आमजन की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाए। महिलाओं और बच्चों को भी इन कार्यक्रमों से जोड़ते हुए आमजन को गंगानगर और गंग नहर के इतिहास से परिचित करवाया जाए। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय की मंशा के अनुसार जिला स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रमों में जिले में पर्यटन विकास के मद्देनजर गतिविधियां भी सुनिश्चित की जाएं। उल्लेखनीय है कि तीन दिवसीय गंग महोत्सव के तहत 25 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे से खेल प्रतियोगिता दमखम का आयोजन महाराजा गंगासिंह स्टेडियम में होगा। खेल मैदान में वॉलीबॉल, हॉकी व खो-खो प्रतियोगिताएं होंगी। इसी दिन सायं 4 बजे शहादत को सलाम कार्यक्रम नग्गी वार मैमोरियल नग्गी में होगा। 26 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे महाराजा गंगासिंह स्टेच्यू सर्किल पर माल्यार्पण होगा। 11.30 बजे शिवपुर हैड पर पूजा-अर्चना के बाद पौधारोपण कार्यक्रम होगा। इसके बाद शिवपुर हैड पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व विभिन्न अंचलों से आमंत्रित लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, ग्रामीण हॉट, फूड, हस्तशिल्प, झूले इत्यादि कार्यक्रम होंगे। 27 अक्टूबर को सूरतगढ स्थित खेजडी धाम हनुमान मंदिर के नजदीक रेत के धोरों पर सायं 3 बजे से रात 9 बजे तक विभिन्न कार्यक्रम होंगे। सायं 3 से 5.30 बजे तक कैमल डांस एवं सफारी, 5.30 से 7 बजे तक राजस्थानी लोक सांस्कृतिक संध्या एवं 7 से 9 बजे तक सूफी नाइट होगी।

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना की अवधि 31 दिसम्बर 2025 तक बढ़ा दी गई है। बून्दी जिला सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड सचिव, ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैंक के सभी अवधिपार ऋणी इस योजना के तहत राहत पाने के पात्र है। पहले योजना का लाभ लेने के पात्र ऋणी को 30 सितम्बर 2025 तक स्वंय के हिस्से की देय राशि जमा करवाना जरूरी था। अब राज्य सरकार ने यह शर्त हटा दी है। सभी ऋणियों के लिए अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2025 तय की गई है। जो ऋणी अब तक योजना का लाभ नही ले सके है वे भी अब 31 दिसम्बर 2025 तक अपनी राशि योजनान्तर्गत जमा कर राहत पा सकते हैं। बून्दी जिला सहकारी भूमि विकास बैंक लि., बून्दी के अब तक 68 ऋणी सदस्यों द्वारा अपनी जमा योग्य राशि जमाकर 136.73 लाख की राहत का लाभ लिया जा चुका है। शेष ऋणियों से अपील की गई है कि वे भी अंतिम तिथि से पहले अपनी राशि जमा कर 01 जुलाई 2024 को बकाया अवधिपार ब्याज, दण्डनीय ब्याज और वसूली खर्च में 100 प्रतिशत छूट प्राप्त कर शेष मूलधन व जुलाई 2024 के पश्चात् का ब्याज जमा कर योजना लाभ ले सकतें हैं।

मीणा समाज के लोगों की बैठक हुई आयोजित

-बैठक में समारोह को लेकर किया पोस्टर का विमोचन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत किशनपुरा स्थित मीणा के मोहल्ले में शनिवार को राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ चौमूं के कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई बैठक में 26 अक्टूबर को चौमूं में नवनिर्मित सभा भवन का लोकार्पण समारोह एवं भूमि दानदाताओं कि मूर्ति अनावरण कार्यक्रम को लेकर विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम में मीणा समाज के लोगों ने समारोह के पोस्टर का विमोचन किया कार्यक्रम के दौरान मीणा समाज के लोगों ने ग्राम किशनपुरा, नांगल - गोविंद, गुड़लिया, रणजीतपुरा, छोटा गुडा, आलीसर, डोला का बास आदि गांवों में जाकर समाज के लोगों से जनसंपर्क कर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ तहसील चौमूं के कोषाध्यक्ष मुकेश बागड़ी एवं शेष मानुतवाल सेवानिवृत प्रधानाध्यापक अर्जुन मीणा, ओमप्रकाश मीणा, रिछपाल मीणा, बनवारी मीणा, मुकेश मीणा, महावीर मीणा, सुखदेव मीणा, ओम मीणा, गोपाल मीणा, बाबूलाल मीणा, सीताराम मीणा, कन्हैयालाल मीणा, डॉ. विकास सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

प्रवासीयों ने किया रफीक मंडेलिया का अभिनन्दन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय भरतीया रोड पर प्रवासियों व कौम तेलियान हकिमवाला परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया का साफा व श्योल पहनाकर अभिनन्दन व स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में रफीक मंडेलिया ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों का अपनी धरती पर दिपावली की छुट्टियों में अपने ग्रह जिले में एक साथ इकट्ठा होकर आना ओर सामाजिक सारोकार निभाना यह बडी बात है आज के इस आर्थिक युग में लोग अपनो से दुर होते जा रहे है, ऐसे वक्त में इकट्ठा होना और मेल मिलाप करना यही हमारी राजस्थानी परम्परा है। स्वागतकर्ता में हाजी अहमद हुसैन, रफीक चौहान आईटी सैल, हारून मलनस, रफीक चुरवी, याकुब राजगडिया, महबूब भाटी, सलीम मिस्त्री, अनवर मलनस, सकील चौहान, अकरम मंडावरिया, असलम एमआर, हाजी साबीर हकीमवाला आदि ने किया। इस अवसर पर असलम खोखर, किशोर धांधू, मोहम्मद हुसैन निर्बाण, आदूराम न्यौल, रमजान खान, जमील चौहान, नारायण बालाण, विमल शर्मा, प्यारेलाल दानोदिया, हेमन्त सिहाग, हर्ष लाम्बा, आरिफ खां पिथिसर आदि उपस्थित थे।

पीपल्स ग्रीन पार्टी के विधानसभा प्रभारियों की दूसरी सूची जारी

-चूरू से बंटी मिश्रा और जगदीश सिहाग नियुक्त

चूरू (रॉयल पत्रिका)। पीपल्स ग्रीन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुधांशु के निर्देशानुसार पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. तन्मय, एडवोकेट कपिल एवं इंजीनियर गौरव के द्वारा बनाई गई चूरू, सीकर, झुंझुनू और नागौर लोकसभाओं के अन्तर्गत आने वाली विधानसभाओं के प्रभारियों की सूची आज पीपल्स ग्रीन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी के द्वारा जारी की गई है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा चूरू लोकसभा के अन्तर्गत आने वाली विधानसभाओं में नोहर विधानसभा लिए महेन्द्र खोथ और रामदेव मेघवाल। भादरा से लक्ष्मी नारायण झाझरिया और अब्दुल गफ्फार, सादुलपुर से कुलदीप जाट और भागीरथ जांगिड़, तारानगर से बलवीर कस्वां और रोहिताश, सरदारशहर से डॉ. राजेन्द्र खन्ना और सुभाष शर्मा, चूरू से बंटी मिश्रा और जगदीश सिहाग, रतनगढ़ से नेमीचंद मोठड़ा और नरेश राणा, सुजानगढ़ से लालचंद ढाका और महेन्द्र सिंह शेखावत को विधानसभा प्रभारी बनाया गया है। नागौर लोकसभा में लाडनूं से विनोद सोनी और नूर मोहम्मद, डीडवाना से महेन्द्र पूनिया और मोहम्मद इमरान, जायल से आसू सिंह नरूका और गेनाराम, नागौर से मोहम्मद जावेद और प्रेम प्रजापति, खींवसर से राकेश सांखला और कालू पुरी गोस्वामी, मकराना से मोहम्मद इमतियाज और सुरेश पारीक, परबतसर से कैलाश गोदारा और मोहित जैन, नावां से अनिल कुमार स्वामी और मनोज कुमार माथुर को विधानसभा प्रभारी बनाया गया है। सीकर लोकसभा में लक्ष्मणगढ़ लोकसभा से नरेंद्र शर्मा और श्रीराम वर्मा, धोध से बाबूलाल कुमावत और महेन्द्र सिंह, सीकर से हेमंत सूंडा और जयकिशन शर्मा, दांता रामगढ़ से दुर्गेश निठरवाल और पुष्पेन्द्र कुमार, खंडेला से पंडित मुरारी लाल शर्मा और जितेन्द्र कुमार, नीम का थाना से अमर प्रजापति और राकेश दिलपुरा, श्री माधोपुर से मूल चंद और संजय कुमार, चोमू से श्रवण लाल शर्मा और कमल किशोर यादव को विधानसभा प्रभारी मनोनीत किया गया है। इसी तरह झुंझुनू लोकसभा में पिलानी से संदीप चेजारा और विक्रम पूनिया, सूरजगढ़ से हनुमान शर्मा और सुभाष कसाना, झुंझुनू से संदीप स्वामी और दिनेश पूनिया, मंडावा से विनोद साहू और राजेश कटारिया, नवलगढ़ से विक्रम कुमार और लोकेश सैनी, उदयपुरवाटी से मनजीत सिंह राठौड़ और मनोज जाट, खेतड़ी से प्रवीण गुर्जर और रोशन लाल, फतेहपुर से रणवीर गवारिया और महिपाल सिंह को विधानसभा प्रभारी बनाया गया है।

राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव की तैयारियों पर हुई समीक्षा बैठक

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन द्वारा आगामी राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को जिला कलक्ट्रेट के समिति कक्ष में जिला कलक्टर आलोक रंजन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिला कलक्टर ने बताया कि राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव 30 अक्टूबर से 4 नवंबर 2025 तक शहीद मेजर नटवर सिंह शक्तावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मैदान, चित्तौड़गढ़ में आयोजित किया जाएगा। यह महोत्सव स्वदेशी उत्पादों, पारंपरिक कला एवं भारतीय संस्कृति को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। बैठक में जिला कलक्टर ने राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव के तहत स्टॉल लगाने के संबंध एवं व्यवस्थाओं के समुचित समन्वय एवं आयोजन की मॉनिटरिंग को लेकर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सोशल मीडिया टीम को दिए आवश्यक दिशा निर्देश-

जिला कलक्टर ने सोशल मीडिया टीम को निर्देश दिए कि महोत्सव के प्रचार-प्रसार में नवीन डिजिटल माध्यमों का अधिकतम उपयोग किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इस आयोजन से जुड़ सकें।

देशभर से लगेंगे 300 से अधिक स्टॉल-

राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से 300 से अधिक स्टॉल स्थापित किए जाएंगे। इन स्टॉल्स पर संपूर्ण भारत से आमंत्रित प्राकृतिक एवं जैविक खाद्य उत्पाद, अन्न एवं मसाले, औषधीय उत्पाद, धातु व मिट्टी के बर्तन, प्राकृतिक सौंदर्य प्रसाधन, स्वयं सहायता समूहों के राजसखी उत्पाद, खादी वस्त्र, जुट, ऊन, कलात्मक फर्नीचर के हैंडीक्राफ्ट व हैंडलूम, इनडोर प्लांट्स, बोनसाई तथा 'एक जिला एक उत्पाद' के अंतर्गत विशेष प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसके अतिरिक्त जिले के पंच गौरव से संबंधित विशिष्ट प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। रोजगार विभाग द्वारा रोजगार मेले का भी आयोजन किया जाएगा।

आरोग्य मेला एवं कार्यशालाएँ रहेंगी विशेष आकर्षण-

महोत्सव के दौरान आयुर्वेद विभाग द्वारा आरोग्य मेला का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें आयुर्वेद विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा रोगों का उपचार किया जाएगा। साथ ही एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, एरोमाथेरेपी, नशा मुक्ति, डिजिटल डिटॉक्स, ध्यान एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों पर जागरूकता गतिविधियाँ संचालित होंगी। देशभर के प्रमुख विशेषज्ञ प्रतिदिन पर्यावरण अनुकूल एवं संतुलित जीवन शैली अपनाने पर कार्यशालाएँ भी लेंगे।

11 नवंबर नोट करें, निर्भय होकर वोट करें

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी व कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशानुसार अंता विधानसभा उपचुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ोतरी के उद्देश्य से मिशन 75 अंतर्गत श्रमिकों की मतदान में भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मजदूर वर्ग के साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंता कृषि उपज मंडी में विकास अधिकारी राधेश्याम भील ने मुनीम, मजदूर एवं हम्माल वर्ग को मतदान का संकल्प कराते हुए एक वोट का महत्व बताया तथा मतदान की अपील की।

स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव ने ग्राम बमूलियां कलां में श्रमिक वर्ग को मतदान का संकल्प कराते हुए सभी से लोकतंत्र के इस महापर्व में शामिल होकर मतदान करने एवं लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने की बात कही। इस दौरान मानव श्रृंखला के माध्यम से 11 नवंबर नोट करें, निर्भय होकर वोट करें के उद्घोष के साथ आमजन को मतदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस दौरान स्वीप सदस्य रामचरण मीणा, ओम मेरोठा, सुरभि खंडेलवाल, विकास मालव सहित श्रमिक जन मौजूद रहे।

चूरू की नई सड़क पर मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग के कोने पर दिखा विकास !

-भाजपा और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं के घर इसी मार्ग पर स्थित हैं

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर नई सड़क पर 8 नम्बर स्कूल के सामने मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग के कोने पर विकास को देखा जा सकता है। मजे की बात देखो भाजपा और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं के घर इसी मार्ग पर स्थित हैं। कई बड़े अधिकारी भी इसी मार्ग से गुजरते ही रहते हैं। उसके बाद भी ये विकास दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। इससे आए दिन कोई न कोई नागरिक दुर्घटना का शिकार होता रहता है। विकास रूपी समस्या और समस्या रूपी विकास का कोई समाधान नहीं हो रहा है। मंदिर, मस्जिद जाने वाले लोग परेशान हैं। स्कूली बच्चे और वाहन सवार दुखी हैं। जन प्रतिनिधियों की तरफ से बारह बजे हुए हैं, वरना इतनी बड़ी समस्या का समाधान कभी का हो जाता। नगरपरिषद में भ्रष्टाचार का बोलबाला लंबे समय से है ही। वहां सिर्फ मोहब्बत और नफरत का खेल चलता रहा है। लगता है जिला प्रशासन को भी आमजन की समस्या से कोई लेना देना नहीं है।

जोधपुर पुलिस का बड़ा अभियान: 266 जगह दबिश, 6 आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर कमिश्नरेट की पश्चिम जिला पुलिस ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। इस अभियान का नेतृत्व डीसीपी वेस्ट विनीत कुमार बंसल ने किया। 38 पुलिस टीमों और 207 सदस्यों ने मिलकर शहर के विभिन्न इलाकों में 266 स्थानों पर दबिश दी। एरिया डोमिनेशन अभियान का मुख्य उद्देश्य इलाके में शांति कायम रखना और अपराधियों पर निगरानी रखना है। इस दौरान पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट और सेक्टर के तहत पहले चालान किए गए 70 व्यक्तियों की भी जांच की। इसके अलावा, 87 हिस्ट्रीशीटर और 13 हार्डकोर अपराधियों को भी चेक किया गया। सरदारपुरा थाने में एनडीपीएस एक्ट का एक मामला दर्ज करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, अभियान के दौरान कुल 12 स्थायी वारंट और 38 गिरफ्तारी वारंटों का निपटारा किया गया। पुलिस ने 30 व्यक्तियों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की। सामान्य प्रकरणों में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो लंबे समय से वांछित थे। इसके अलावा, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस, आबकारी एक्ट, हत्या के प्रयास, लूट और डकैती जैसे गंभीर अपराधों में शामिल दो और आरोपियों को भी पुलिस ने पकड़ लिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की कार्रवाई नियमित रूप से की जाती रहेगी ताकि शहर में अपराधियों और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा सके। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे पुलिस को अपराधों की सूचना दें और सहयोग करें, जिससे अपराध नियंत्रण में मदद मिले। इस अभियान से इलाके में अपराधियों में भय का माहौल बना है और पुलिस की सक्रियता के कारण अपराधों में कमी की संभावना बढ़ गई है। डीसीपी वेस्ट ने कहा कि आने वाले समय में और भी अभियान चलाए जाएंगे, ताकि शहर में शांति और सुरक्षा कायम रहे। जोधपुर पुलिस की इस कार्रवाई से यह संदेश गया कि अपराधियों को अब शहर में पनपने का मौका नहीं मिलेगा। पुलिस की सतत निगरानी और सक्रियता से आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश जारी रहेगी।

डीसीबी बैंक ने की वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के परिणाम की घोषणा

मुंबई, एजेंसी। डीसीबी बैंक लिमिटेड (बीएसई- 532772; एनएसई: डीसीबी) के निदेशक मंडल ने 17 अक्टूबर, 2025 को मुंबई में हुई अपनी बैठक में 30 सितंबर, 2025 को समाप्त दूसरी तिमाही और वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी। इस बैठक में वैधानिक लेखा परीक्षकों 'वर्मा एंड वर्मा, चार्टर्ड अकाउंटेंट' और 'बीएसआर एंड कंपनी एलएलपी, चार्टर्ड अकाउंटेंट' की सीमित समीक्षा रिपोर्ट को भी स्वीकृति प्रदान की गई। बैंक ने बताया कि वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में उसका कर-पश्चात मुनाफा (पीएटी) 18 प्रतिशत बढ़कर 184 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 155 करोड़ रुपये था। अग्रिम (एडवांस) में साल-दर-साल 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें मॉर्गेज में 13 प्रतिशत, सह-ऋण में 140 प्रतिशत, निर्माण वित्त में 29 प्रतिशत और कृषि एवं समावेशी बैंकिंग में 13 प्रतिशत की वृद्धि शामिल है। वहीं, जमा वृद्धि दर भी साल-दर-साल 19 प्रतिशत रही। 30 सितंबर, 2025 तक बैंक का सकल एनपीए 2.91 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए 1.21 प्रतिशत रहा। इसी अवधि में प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 74.15 प्रतिशत और स्वर्ण ऋण एनपीए को छोड़कर पीसीआर 74.81 प्रतिशत दर्ज किया गया। बैंक की पूंजी पर्याप्तता स्थिति मज़बूत बनी हुई है और 30 सितंबर, 2025 तक इसका पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.41 प्रतिशत रहा, जिसमें बेसल-ढ्ढढ्ढढ्ढ मानदंडों के अनुसार टियर-ढ्ढ पूंजी 13.97 प्रतिशत और टियर-ढ्ढढ्ढ पूंजी 2.44 प्रतिशत रही। डीसीबी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री प्रवीण कुट्टी ने परिणामों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जमा और अग्रिम में निरंतर वृद्धि बनी हुई है। जमा और उधार की लागत में कमी लाने से एनआईएम में सुधार हुआ है। कर्मचारी उत्पादकता और प्रौद्योगिकी अपनाने से लगातार पांच तिमाहियों से औसत परिसंपत्तियों की लागत में गिरावट आई है। बेहतर संग्रह और वसूली के चलते ऋण लागत में भी उल्लेखनीय कमी हुई है। उन्होंने कहा कि बैंक को उम्मीद है कि यह सकारात्मक रुझान आने वाली तिमाहियों में भी जारी रहेगा।

ब्रेस्ट कैंसर में उपचार और सेहत के बीच संतुलन बनाना: डॉ. श्रीकांत तिवारी

भोपाल। हर अक्टूबर, जब दुनिया ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के लिए गुलाबी हो जाती है, तो बातें ज्यादातर शुरुआती पता लगाने, जीने के आंकड़ों और प्रेरणादायक रिकवरी कहानियों पर होती हैं। ये जरूरी हैं, लेकिन एक और बात भी उतनी ही महत्वपूर्ण है- शुरुआती ब्रेस्ट कैंसर के साथ रोज की जिंदगी जीना। आज 30-40 साल की उम्र में ज्यादा महिलाओं को यह बीमारी हो रही है, जब वे कॅरियर बना रही होती हैं, परिवार संभाल रही होती हैं या दूसरी जिम्मेदारियां निभा रही होती हैं। इनके लिए डायग्नोसिस जिंदगी को नहीं रोकती – यह जिंदगी को नया रूप देती है, जिसमें इलाज, काम, परिवार और अपनी भलाई के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। डॉ. श्रीकांत तिवारी, सीनियर कंसल्टेंट, मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, भोपाल, ने कहा, अर्ली ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही महिलाओं के लिए उपचार केवल बीमारी को ठीक करने तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह उनकी पूरी जिंदगी की गुणवत्ता बनाए रखने से भी जुड़ा होता है। समझना और ऐसी थेरेपी चुनना बेहद ज़रूरी है, जो इस जोखिम को कम करे और साथ ही थकान, दर्द या डायरिया जैसे साइड इफेक्ट्स को भी न्यूनतम रखे। इससे मरीज की भावनात्मक सेहत भी बेहतर बनी रहती है। आज नई और उन्नत थेरेपीज़ उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से कई महिलाएं इलाज के दौरान अपनी ऊर्जा, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास बनाए रख पा रही हैं। मरीज थेरेपी के दौरान भी खुशहाल और सक्रिय जीवन जी सकती हैं।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने कैसे पांच साल में 31 करोड़ का फंड बनाया, सीए से समझिए निवेश की रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। आमदनी चाहे कितनी भी हो, लेकिन यदि उसका ढंग से मैनेजमेंट नहीं हो तो आपके पास कुछ भी रकम नहीं बचती है। लेकिन यदि समझदारीपूर्ण तरीके से निवेश किया जाए तो फिर आपकी रकम तेजी से बढ़ती है। सीए नितिन कौशिक ने एक्स पर ऐसा ही एक पोस्ट किया है। उसने बताया है कि मुंबई के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने पांच साल में 8 करोड़ रुपये को 31 करोड़ रुपये में बदल दिया।

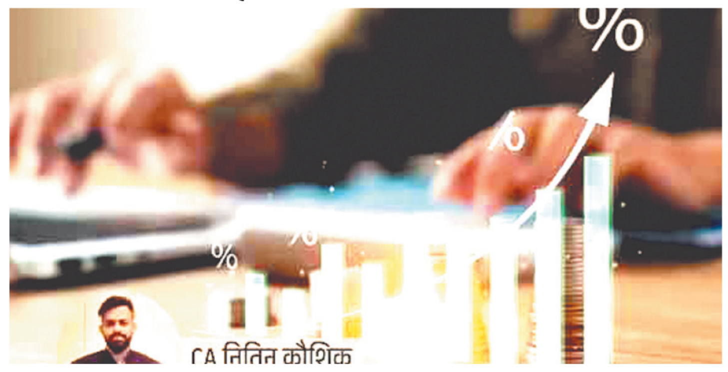

समय की कसौटी पर कसें

नितिन कौशिक ने एक बढ़िया बात बताई है। उन्होंने कहा है कि जो दौलत समय की कसौटी पर खरी उतरती है, उसका किस्मत से कोई लेना-देना नहीं होता। ऐसी दौलत धीरे-धीरे और चुपचाप बनती है। इसके लिए सोच-समझकर, अनुशासित तरीके से लगातार सही फैसले लेने पड़ते हैं। उन्होंने पांच साल पहले एक 38 साल के इंजीनियर के साथ काम करना शुरू किया था। तब इंजीनियर की कुल संपत्ति 8 करोड़ रुपये थी। अनुशासित और समझदारी भरे तरीके से काम करने पर, यह रकम बढ़कर 31 करोड़ रुपये हो गई। इस बदलाव के बारे में कौशिक ने कहा, कोई शॉर्टकट नहीं। कोई रातोंरात ट्रेडिंग से जीत नहीं। बस डेटा, धैर्य और स्मार्ट वित्तीय फैसले। कौशिक अपने ग्राहकों के लिए लंबी अवधि के, विश्वास पर आधारित इक्विटी पोर्टफोलियो (शेयरों का समूह) वाली वित्तीय रणनीति बनाते हैं और उस पर अमल करते हैं।

कैसे हुआ ऐसे

कौशिक और उनके क्लाइंट ने मिलकर स्मॉल (छोटी), मिड (मध्यम) और लार्ज-कैप (बड़ी) कंपनियों के शेयरों का एक ऐसा कलेक्शन बनाया जो दौलत बढ़ाता है। कुल इक्विटी निवेश को संतुलित रखने के लिए, 20 प्रतिशत हिस्सा जानबूझकर कुछ म्यूचुअल फंडों (जहां कई लोगों का पैसा मिलकर शेयर बाजार में लगाया जाता है) में लगाया गया। इस अनुशासित तरीके से काफी अच्छा मुनाफा हुआ। पांच सालों में हर साल औसतन 18.7 प्रतिशत का सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) मिला। कौशिक के अनुसार, जब आप लगातार बने रहते हैं तो कंपाउंडिंग (चक्रवृद्धि) चुपचाप अपना जादू दिखाती है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स लगातार छठे साल ग्लोबल ब्रांडों की सूची में 5वें नंबर पर

सैमसंग को एआई लीडरशिप और इसे अपनाने में तेजी लाने के लिए सम्मानित किया गया

INTERBRAND BEST GLOBAL BRANDS 2025

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज घोषणा की है कि ग्लोबल ब्रांड कंसल्टेंसी इंटरब्रांड द्वारा इसे लगातार छठे वर्ष ग्लोबल ब्रांडों की सूची में 5वें पायदान पर रखा गया है। इंटरब्रांड हर साल अपनी बेस्ट ग्लोबल ब्रांड्स सूची जारी करता है। इस साल की सूची में सैमसंग का ब्रांड मूल्य 90.5 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया है, जिससे यह 2020 से लगातार एशिया की एकमात्र कंपनी बनी हुई है जो ग्लोबल टॉप फाइव में बनी हुई है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रेसिडेंट और ग्लोबल मार्केटिंग ऑफिस के हेड वॉन-जिन ली ने कहा, एआई इनोवेशन और ओपन कोलैबोरेशन के माध्यम से, सैमसंग ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि ज्यादा से ज्यादा ग्राहक अपनी दैनिक जिंदगी में एआई का अनुभव कर सकें। भविष्य में हम स्वास्थ्य और सुरक्षा सहित ग्राहकों के लिए फायदों पर ध्यान देंगे ताकि सैमसंग सबका और भी चहेता ब्रांड बन सके। इनोवेशन फॉर ऑल विज़न के तहत, सैमसंग लगातार दुनिया भर के ज्यादा ग्राहकों के लिए एआई को सुलभ बनाने का प्रयास कर रहा है। इस साल, सैमसंग ने गैलेक्सी एआई के निरंतर विकास के साथ मोबाइल एआई में अपनी लीडरशिप को मजबूत किया है। कंपनी एक साल के भीतर 400 मिलियन डिवाइसेज पर इसे उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखती है, जिससे एआई को सब तक पहुंचाने को बढ़ावा मिलेगा। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स (सीई) में, सैमसंग ने प्रत्येक उत्पाद श्रेणी के लिए विशिष्ट रूप से निर्मित एआई टेक्नोलॉजीज जैसे विज़न एआई और बीस्पोक एआई पेश करके एआई प्रतिस्पर्धात्मकता का विस्तार किया है।

विभिन्न पार्टनर्स के साथ ओपन कोलैबोरेशन के माध्यम से, सैमसंग ने ग्राहकों के लिए पर्सनलाइज्ड एआई अनुभवों को बेहतर बनाया है, साथ ही सैमसंग नॉक्स के साथ इंडस्ट्री-लीडिंग सिक्योरिटी प्रदान की है। सेमीकंडक्टर्स में, सैमसंग एआई की बढ़ती मांग को क्लाउड, ऑन-डिवाइस और फिजिकल एआई पोर्टफोलियो की मदद से पूरा करने की कोशिश कर रहा है। इसमें एचबीएम, हाई-कैपेसिटी डीडीआर5, एलपीडीडीआर5 एक्स और एलपीडीडीआर7 जैसे एडवांस्ड उत्पादों के साथ सक्रिय प्रतिक्रिया शामिल है।

क्रिप्टो-एसआईपी की दिवानी जेन जी के पोर्टफोलियो में क्यों नहीं है बीमा

मुंबई, एजेंसी। जेन जी के लिए, दुनिया वाकई में उनकी मुट्ठी में है। स्वतंत्र, डिजिटल-प्रथम और वित्तीय रूप से जागरूक, वे पहले के किसी भी पीढ़ी की तुलना में जल्दी अपनी जिंदगी की बागडोर संभाल रहे हैं। उदाहरण के लिए, 24 साल की प्रिया, दिन में तीन बार अपने क्रिप्टो पोर्टफोलियो को जरूर चेक करती है और 18 महीनों में एक भी एसआईपी पेमेंट मिस नहीं किया है, लेकिन जब उससे उसके हेल्थ इंश्योरेंस के बारे में पूछा गया, तो वह अनिश्चित दिखी।

उसने कहा, ÷यह तो है, लेकिन मैं नहीं जानती कि इसका मेरे लिए वास्तव में क्या मतलब है।÷ यह उदासीनता नहीं है, बल्कि हमारे उद्योग के लिए एक चेतावनी है कि हम बीमा को जेन जी के वित्तीय जीवन के बाकी हिस्सों की तरह ही स्पष्ट, सुविधाजनक और प्रासंगिक बनाएं।

आज जेन जी और मिलेनियल्स लगभग 85 प्रतिशत बीमा खरीदारी करते हैं। फिर भी, उनकी वित्तीय साक्षरता और डिजिटल सहजता के बावजूद, भारत में बीमा का फैलाव अभी भी सीमित है, जो 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.7 प्रतिशत था। इसमें से हेल्थ इंश्योरेंस भारत की जीडीपी का लगभग 0.42 प्रतिशत था। अवसर साफ है, चुनौती जागरूकता की नहीं, बल्कि प्रासंगिकता की है।

ज्यादातर युवा पेशेवरों का बीमा से पहला सामना कॉर्पोरेट स्वास्थ्य योजनाओं के माध्यम से होता है। हालांकि ये योजनाएं अब भी मूल्यवान हैं, लेकिन अगर ये किसी एक नियोक्ता से बंधी हों, तो यह सीमित महसूस हो सकता है, खासकर जब नौकरी में औसतन 18 से 24 महीने ही टिके रहते हैं। कॉर्पोरेट बीमा एक महत्वपूर्ण स्तंभ बना रहेगा, लेकिन मॉड्यूलर, पोर्टेबल ग्रुप पॉलिसियों, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं, वेलनेस रिइंबर्समेंट और परिवार को शामिल करना जैसे सुधार, सुरक्षा की निरंतरता बढ़ा सकते हैं और नियोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। व्यक्तिगत हेल्थ इंश्योरेंस खरीदने का सबसे अच्छा समय जल्दी है, लगभग 23 से 25 साल की उम्र में, जब इंसान स्वस्थ होता है, प्रीमियम सबसे कम होते हैं, और कवरेज सुरक्षित करना सबसे आसान होता है। जल्दी शुरुआत करने से तनाव, धूम्रपान या गतिहीन आदतों जैसी जीवनशैली के जोखिमों से होने वाली भविष्य की लागत को प्रबंधित करने में मदद मिलती है। ऐसा करने से, बीमा एक प्रतिक्रियाशील उत्पाद न रहकर वित्तीय नियोजन के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाले टूल में बदल जाता है।

कोस्टा कॉफी भारत में फिर लेकर आया मैपल हेज़ल मेन्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले साल मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, कोका-कोला कंपनी का काफी ब्रांड, कोस्टा कॉफी इस शरद ऋतु (ऑटम) में भारत में एक बार फिर अपना बेहद पसंदीदा मैपल हेज़ल मेन्यू लेकर आ रहा है। यह सीज़नल ड्रिंक हेज़लनट की गाढ़ी मिठास और मैपल के सुनहरे स्वाद को मिलाकर हर कप में शरद ऋतु का अहसास देता है। ऑटम के जोश का उत्सव मनाते हुए, कोस्टा कॉफी ने तीन शानदार ड्रिंक्स का आनंद उठाने के लिए कॉफी प्रेमियों को आमंत्रित किया है- मैपल हेज़ल हॉट लैट्टे, आइस्ड लैट्टे और फ्रेपे। हर मूड के लिए परफेक्ट ङ्क्ष गर्म कप, ठंडा रिफ्रेशर या क्रीमी शेक के साथ कॉफी के दीवाने मैपल हेज़लनट का आनंद उठा सकते हैं। सीमित समय के लिए, ये सीज़नल ड्रिंक्स आपके कॉफी ब्रेक को मजेदार और उत्सवी बना देंगे। अपर्णा चोपड़ा, हेड, फ्रैंजाइजी इमर्जिंग मार्केट्स - इंडिया, साउथईस्ट एशिया एवं जापान, कोस्टा कॉफी ने कहा, ग्राहकों की भारी डिमांड पर मैपल हेज़ल फिर से भारत लाने पर खुशी हो रही है। ये सिर्फ ड्रिंक्स नहीं, बल्कि जेन ज़ी और मिलेनियल्स की परंपरा हैं - स्वादिष्ट फ्लेवर और कूल लुक के साथ हर सिप को लाइफस्टाइल मोमेंट बना देते हैं। भारत में 20 साल की विरासत के साथ, कोस्टा ग्राहकों के लगातार बदलते स्वाद को पूरा करने और हर सीजन को गर्मजोशी से भरा, यादगार एवं अनूठा बनाने को तैयार है। जश्न मना रही है। अपने डेब्यू के बाद से, कोस्टा ने देशभर में कैफे कल्चर को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है, सिग्नेचर ब्लेंड्स बनाए हैं।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को रेलवे मंत्रालय से माइक्रो प्रोसेसर कंट्रोलर के लिए स्वीकृति प्राप्त हुई

नईदिल्ली, एजेंसी। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जो एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिजाइन, विकास और निर्माण में वैश्विक अग्रणी कंपनी है, ने घोषणा की है कि एलएचबी कोचेस और डबल डेकर कोचेस के लिए रूफ–माउंटेड एसी पैकेज यूनिट हेतु माइक्रो प्रोसेसर कंट्रोलर को रेलवे मंत्रालय के रिसर्च डिजाइन्स एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइजेशन से स्वीकृति प्राप्त हुई है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025–26 की दूसरी तिमाही और अर्धवार्षिक वित्तीय परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन दर्ज किया है। 30 सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही में एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स की कुल आय 3,841.89 लाख रही, जो वर्ष–दर–वर्ष 38.77त्न की वृद्धि दर्शाती है। इसी अवधि में कर पश्चात लाभ 216.80 लाख रहा। वहीं, 30 सितंबर 2025 तक की छमाही अवधि में कंपनी की कुल आय 5,016.97 लाख रही, जिसमें 29.92त्न की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। अर्धवार्षिक कर पश्चात लाभ 383.50 लाख रहा। हाल ही में कंपनी ने सिंगापुर स्थित टॉप2 पीटीई लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत ताइवान से किसी सेमीकंडक्टर भागीदार की तलाश, पहचान और चयन किया जाएगा। इस समझौते का उद्देश्य ताइवान में सेमीकंडक्टर वेफर उत्पादन प्रारंभ करने के लिए एक रूपरेखा तैयार करना है, जिसकी मासिक उत्पादन क्षमता 25,000 से 30,000 वेफर्स तक रखने की योजना है। यह प्रक्रिया व्यवहार्यता, वार्ता और नियामक अनुपालन के अधीन होगी।

कंपनियों को हो सकता है फायदा

79000 करोड़ के डिफेंस प्रोजेक्ट को डीएसी से मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार की तरफ से गुरुवार को 79000 करोड़ रुपये के रक्षा खरीद की मंजूरी दे दी गई है। डीएसी ने 23 अक्टूबर को इसका अप्रूवल दे दिया है। यह अप्रूवल इंडियन आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के लिए रक्षा उत्पादों को खरीदने के लिए मिला है। आइए जानते हैं कि इस 79000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट का फायदा किन डिफेंस कंपनियों को मिल सकता है।

इन तीन कंपनियों को मिल सकता है आर्मी का प्रोजेक्ट: इंडियन आर्मी के लिए डीएसी ने नाग मिसाइल सिस्टम (ट्रैक्ड) का अप्रूवल मिला है। इसका फायदा भारत डायनेमिक्स को हो सकता है। कंपनी को करीब 2000 करोड़ रुपये का काम मिला सकता है। वहीं, डीएसी की तरफ से इंडियन आर्मी को मोबाइल का अप्रूवल दिया गया है। इसका फायदा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और अस्त्र माइक्रो को हो सकता है।

गुरुवार को इंडियन आर्मी के लिए हाई मोबिलिटी व्हीकल्स की भी मंजूरी दे दी गई है। जिसकी वजह से बीईएमएल के शेयर भी फोकस में रहेंगे।

नेवी प्रोजेक्ट के लिए रखें इन कंपनियों पर निगाह: मझगांव डॉक, गार्ड रीच शिपबिल्डर्स, कोचिन शिपयार्ड और एल एंड टी को 60,000 करोड़ रुपये के लेंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स का काम मिल सकता है। वहीं, 30 एमएम के नेवल सर्फेस गन प्रोजेक्ट का फायदा भेल और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स को हो सकता है।

इसके अलावा बीईएल, अस्त्र माइक्रो और डाटा पैटर्न्स को इंडियन नेवी के लिए इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इंफ्रा रेड सर्च और ट्रैक सिस्टम का काम मिल सकता है। बीते 6 कारोबारी दिन से निफ्टी डिफेंस इंडेक्स में 2.5 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है।

क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल लिमिटेड को आंध्र प्रदेश में मिला 445.03 करोड़ का सोलर प्रोजेक्ट

मुंबई, एजेंसी। एक तरफ बाजार में आज शुक्रवार को मंदी सी छाई हुई है। तो वहीं दूसरी तरफ क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल लिमिटेड के शेयरों में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में उछाल आंध्र प्रदेश में मिला नया वर्क ऑर्डर है। कंपनी को 445.03 करोड़ रुपये का काम मिला है। इस प्रोजेक्ट के तरह 2 किलोवाट का सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाना है। बता दें, यह वर्क ऑर्डर कंपनी को न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ऑफ आंध्र प्रदेश से मिला है।

इस प्रोजेक्ट के जरिए कंपनी 38,669 एससी और एसटी कंज्यूमर को सोलर सिस्टम प्रदान करेगी। यह कंपनी आंध्र प्रदेश के 5 अलग-अलग डिवीजन में किया जाएगा। क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल लिमिटेड को डिजाइन, इंजीनियर, सप्लाई, इंस्टॉल, टेस्ट और कमिशनिंग का काम मिला है। बता दें, कंपनी को 6 महीने में काम पूरा करना है।

कंपनी का शेयर बीएसई में 292.95 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 293.65 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। शेयर बाजार में रिटर्न के मामले में कंपनी की स्थिति अच्छी नहीं है 2025 में अबतक कंपनी के शेयरों का भाव करीब 22 प्रतिशत टूट चुका है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में करीब 26 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 5.22 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल लिमिटेड ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि पहली तिमाही में कुल नेट प्रॉफिट 122.30 करोड़ रुपये रहा है।

आईपीओ विदेशी 'मालिक' को दिया?540 करोड़ का डिविडेंड

मुंबई, एजेंसी। आईपीओ की तैयारी में जुटी कंपनी ओरकला इंडिया लिमिटेड ने अपने विदेशी प्रमोटर को 540 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया है। जोकि कंपनी के वार्षिक लाभ से भी अधिक है। इसकी जानकारी कंपनी ने साझा किया है। बता दें, कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 में पहली बार डिविडेंड बांटा था। ओरकला इंडिया लिमिटेड की तरफ से एक शेयर पर 438 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से डिविडेंड दिया गया था। जोकि 600.01 करोड़ रुपये है। यह जानकारी ऐसे समय में आई है जब कंपनी सेबी के पास आईपीओ के लिए आवेदन की तैयारी कर चुकी नॉर्वे की यह लिस्टेड कंपनी एमटीआर और ईस्टर्न स्पेसिज़ का आईपीओ 29 अक्टूबर को खुल रहा है। कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 28 अक्टूबर को खुल जाएगा। आईपीओ के जरिए 2.28 करोड़ शेयर प्रमोटर्स बेचते नजर आएंगे। ओरकला इंडिया लिमिटेड और अन्य दो प्रमोटर अपनी हिस्सेदारी आईपीओ के जरिए कंपनी से घटा रहे हैं। रेड टू ईट प्रोडक्ट बनाती है। कंपनी की मौजूदगी कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में है। कंपनी की आर्थिक स्थिति अच्छी है।

10 टुकड़ों में बंट रहा है केएसई लिमिटेड स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते 6 महीने के दौरान शेयर बाजार में जिन कंपनियों का प्रदर्शन शानदार रहा है उसमें केएसई लिमिटेड भी है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इसके लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया गया है।

केएसई लिमिटेड ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। कंपनी ने इस स्टॉक स्प्लिट के लिए 28 अक्टूबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। जोकि अगले हफ्ते है।

इस कंपनी ने निवेशकों को समय-समय पर डिविडेंड दिया है। आखिरी बार कंपनी सितंबर के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 50 रुपये का डिविडेंड मिला था। इससे पहले कंपनी इसी साल फरवरी के महीने में एक्स डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर 30 रुपये का डिविडेंड निवेशकों को दिया था। बता दें, 2024 में कंपनी हर शेयर पर योग्य निवेशकों को 30 रुपये का डिविडेंड बांटा था।

शुक्रवार की सुबह केएसई लिमिटेड के लिए अच्छी रही है। कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। 9.28 मिनट पर यह स्टॉक बीएसई में 2703 रुपये के आस-पास बना हुआ था। महज 6 महीने में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 40 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में यह स्टॉक अपने पोजीशनल निवेशकों को 12 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है।

डायरेक्टर एटली ने विज्ञापन की दुनिया में किया डेब्यू

जब बात हो स्केल, इमोशन और स्टाइल को एक साथ जोड़ने की, तो डायरेक्टर एटली का नाम सबसे पहले आता है। वे जिस प्रोजेक्ट को हाथ लगाते हैं, उसे सिनेमैटिक मैजिक में बदल देते हैं और इसका सवूत है हाल ही में चिंग्स के लिए किया गया उनका नया विज्ञापन।गौरतलब है कि 'जवान', 'मर्सल' और 'थेरी' जैसी मेगा हिट फिल्मों के लिए जाने जाने वाले एटली ने अब विज्ञापन की दुनिया में कदम रखा है, और यहां भी उन्होंने वही ग्रैंड सिनेमाई करिश्मे का प्रदर्शन किया है और उसे लार्जर दैन लाइफ बना दिया है। 8 मिनट का यह चिंग्स विज्ञापन पारंपरिक 30-सेकंड वाले फॉर्मेट को न सिर्फ पूरी तरह तोड़ता है, बल्कि दर्शकों को एक मिनी ब्लॉकबस्टर का अनुभव भी देता है, जिसमें हाई-ऑक्टेन एक्शन, ड्रामा, इमोशन और विजुअल ब्रिलियंस का तड़का लगा है। यह सिर्फ एक विज्ञापन नहीं, बल्कि आठ शानदार मिनटों में पेश किया गया मास एंटरटेनमेंट का डबल डोज़ है। अपनी कोलैबोरेशन पर बात करते हुए डायरेक्टर एटली कहते हैं, मेरे लिए हमेशा प्यार सीक्रेट इंग्रिडिएंट रहा है और चिंग्स कुछ ऐसा बनाना चाहता था, जिसे इंडिया सिर्फ देखे नहीं, बल्कि प्यार करे तो मैने बिना दो बार सोचे हां कह दिया। हालांकि इसे रणवीर की मैडनेस, बॉबी सर के मैजिक और श्रीलीला की फ्रेशनैस ने और खास बना दिया और हमने इसे बहुत दिल से पकाया। अब इसे ऑडियंस को टेस्ट करना है। रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला की दमदार मौजूदगी के साथ यह फिल्म सिनेमैटिक फ्लेयर का मास्टरक्लास है। हर फ्रेम में स्केल और स्पेक्टेकल नजर आता है, जैसे स्लो-मोशन हीरो एंट्रीज़, ड्रामैटिक लाइटिंग, एनर्जी से भरी कोरियोग्राफी और एटली की फिल्मों की तरह गूंजता बैकग्राउंड स्कोर। एटली सिर्फ डायरेक्ट नहीं करते, वे एलीवेट करते हैं। यही वजह है कि उनके निर्देशन में रणवीर सिंह अपनी पिछली विज्ञापन फिल्मों की अपेक्षा कहीं अधिक दमदार नजर आ रहे हैं।

एटली ने उनकी करिश्माई पर्सनैलिटी, इंटेंसिटी और चार्म को ऐसे कैप्चर किया है कि स्क्रीन पर आग लग जाती है और यह परफॉर्मेंस, स्टाइल और स्टोरीटेलिंग का एक परफेक्ट मिश्रण बन जाता है। हर शॉट ऊर्जा, इमोशन और ग्रैंड विजुअल्स से भरा है, जो एटली की क्राफ्ट का ट्रेडमार्क है। चाहे सिनेमा हो या विज्ञापन, उनकी स्टोरीटेलिंग हमेशा भव्य, इमर्सिव और यादगार रहती है।

सान्या मल्होत्रा ने दिलजीत दोसांझ के गाने चार्मर को लेकर किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ के गाने चार्मर को लेकर अपना एक खास अनुभव शेयर किया, जो उन्हें बेहद पसंद भी आया। इस गाने ने उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की।

सान्या मल्होत्रा का पोस्ट

आज बुधवार को सान्या ने इंस्टाग्राम पर चार्मर गाने का एक रिहर्सल वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सफेद ड्रेस में शानदार डांस मूव्स करती नजर आईं। इसके साथ सान्या ने कैप्शन में लिखा, मैंने इससे पहले कभी हील्स में डांस नहीं किया और अब मैं रुकना नहीं चाहती। मुझे दिलजीत दोसांझ के चार्मर गाने पर डांस करने का मौका मिला। मेरी टीम और डायरेक्टर का शुक्रिया। जान्हवी कपूर और राखी सावंत ने इस पोस्ट पर फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। सोफी चौधरी ने लिखा, वो सब तो ठीक है... लेकिन मुझे कभी इतना स्वैग वाला फैन लड़का क्यों नहीं मिला? आप लोगों के मूव्स बहुत पसंद हैं... हमेशा।

दिलजीत दोसांझ का एल्बम ऑरा

चार्मर गाना दिलजीत के एल्बम ऑरा का हिस्सा है, जिसे 20 अक्तूबर को रिलीज किया गया। इस गाने का संगीत अवी सरा ने दिया और बोल राज रंजोध ने लिखे। वीडियो में सान्या एक खूबसूरत जगह पर जोशीले अंदाज में डांस करती दिख रही हैं। वीडियो को शारिक सेक्वेरा ने डायरेक्ट किया, श्लोक आहूजा ने शूट किया और यश कदम ने कोरियोग्राफी की। इसके पहले, दिलजीत के एल्बम से कुफर गाना रिलीज हुआ था, जिसमें मानुषी छिल्लर नजर आई थीं।

सान्या का करियर

हाल ही में सान्या फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में वरुण धवन और जान्हवी कपूर के साथ नजर आईं। जो 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। कथित तौर पर सान्या अगली फिल्म में वह बॉबी देओल के साथ नजर आ सकती हैं।

शहनाज गिल की पंजाबी फिल्म 'इक कुड़ी' का ट्रेलर रिलीज

शहनाज गिल अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'इक कुड़ी' को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। इस फिल्म का ट्रेलर एक्ट्रेस ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया है। फिल्म का ट्रेलर काफी मजेदार है। इसमें कॉमेडी, ड्रामा, इमोशन, लव एंगल सबकुछ है।

दूल्हे को परखने निकलीं 'इक कुड़ी'। शहनाज गिल की फिल्म 'इक कुड़ी' एक आम लड़की की कहानी है, जिसकी शादी पैरेंट्स करना चाहते हैं। एक रिश्ता पक्का भी हो जाता है। लेकिन फिल्म की हीरोइन यानी शहनाज का किरदार अपने होने वाले दूल्हे को परखना चाहता है। इसके लिए वह परिवार के साथ मिलकर एक अलग ही प्लान बनाती है। यही से शुरू होती है फिल्म में ड्रामा, रोमांस और कॉमेडी की ट्रिपल डोज।

रश्मिका मंदाना ने शेयर किया थामा की शूटिंग का अनुभव

मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा रिलीज हो चुकी है। फिल्म में आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल अपनी एक्टिंग से फैंस का दिल जीतने में कामयाब रहे हैं। फिल्म का कलेक्शन भी शानदार रहा है, लेकिन अब रश्मिका मंदाना ने अपने शूटिंग के दिनों को याद किया है और अपने को-स्टार से लेकर क्रू-मेंबर्स तक को दिल से शुक्रिया कहा है।

रश्मिका मंदाना ने अपना इंस्टाग्राम अपडेट किया है और शूटिंग सेट की अनदेखी फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वे कभी मेकअप करती दिख रही हैं तो कभी रात को हॉरर सीन की शूटिंग कर रही हैं। देखकर साफ पता चल रहा है कि एक-एक सीन को परफेक्ट बनाने के लिए सभी ने कितनी मेहनत की है।

एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, ओह... मैं कहां से शुरू करूं... पहली कॉल-शीट से लेकर आखिरी कट शीट तक, यह फिल्म सिर्फ काम से कहीं अधिक रही है... यह दिल की, धैर्य की, हंसी और चोटों की और उन सुबहों की यात्रा रही है जिनके लिए हम जागना नहीं चाहते थे और उन रातों की जिन्हें हम खत्म नहीं करना चाहते थे। रश्मिका मंदाना ने आयुष्मान खुराना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल का शुक्रिया भी अदा किया है, क्योंकि उनके साथ सीन करना सहज और स्वाभाविक रहा, जबकि डायरेक्टर आदित्य ने हर डायलॉग को ठीक से करने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि कई बार ऐसा भी होता था कि वे अपना मेकअप उतारना भूल जाती थी, क्योंकि वे बहुत थक जाती थी, ऐसे में मेकअप मैन उनकी मदद करते थे।

हॉरर-कॉमेडी थामा फिल्म की बात करें तो फिल्म को मैडॉक के बैनर तले ही बनाया गया है और ये उनकी हॉरर यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है, जो पर्दे पर हिट होने के लिए तैयार है। इससे पहले मैडॉक स्त्री, स्त्री-2, भेड़िया, और मुंज्या बना चुके हैं और चारों ही फिल्मों ने अच्छी कमाई की। फिल्म की कहानी की बात करें तो फिल्म में आयुष्मान खुराना एक वैम्पायर बन जाते हैं और रश्मिका मंदाना पहले से ही वैम्पायर है, अब दोनों को प्यार हो जाता है और नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक तांत्रिक बने हैं, जो बुरी शक्तियों के राजा बनना चाहते हैं। फिल्म में हॉरर, रोमांस और कॉमेडी तीनों देखने को मिलेंगे।

नफ़रत में संदीपा धर और दर्शन रावल की केमिस्ट्री ने जीता दिल

संदीपा धर एक बार फिर दर्शकों को मोहित करने लौटी हैं अपने नए म्यूज़िक वीडियो 'नफ़रत' के साथ, जिसमें उनके साथ नज़र आ रहे हैं सोलफुल सिंगर दर्शन रावल। अपनी अभिव्यक्तिपूर्ण अदाकारी और ग्रेसफुल डांसिंग के लिए जानी जाने वाली संदीपा एक बार फिर साबित करती हैं कि वह आज के समय की सबसे बहुमुखी परफॉर्मर्स में से एक हैं।पहले ही फ्रेम से संदीपा एक अलौकिक आकर्षण बिखेरती हैं — उनकी खूबसूरती प्यार, दर्द और नाज़ुक भावनाओं के हर पहलू को सहजता से दर्शाती है। उनकी अभिव्यक्तिपूर्ण आंखें और नैचुरल स्क्रीन प्रेज़ेंस हर गीत को जीवन से भर देती हैं, जो दर्शन रावल की मधुर आवाज़ के साथ एक खूबसूरत दृश्य कविता का रूप ले लेती है। गीत के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा- 'नफ़रत' उन गानों में से एक है जो आपको प्यार के हर रंग को महसूस करने का मौका देता है। दर्शन के साथ काम करना शानदार अनुभव था; उनके संगीत में इतनी सहज भावनाएँ होती हैं कि उसमें खुद को पूरी तरह डुबो देना आसान हो जाता है। डांस हमेशा से मेरे जीवन का अहम हिस्सा रहा है — यह उन भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम है जिन्हें शब्दों में कहना मुश्किल होता है। इस गाने में एक डांस सीक्वेंस था जिसमें मुझे अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना पड़ा, और मुझे खुशी है कि मेरा परफॉर्मेंस कहानी को और ऊंचाई देता है, 'नफ़रत' में संदीपा की एक्टिंग के साथ-साथ उनकी डांसिंग स्किल्स भी बखूबी झलकती हैं। हर मूवमेंट और जेस्चर में उनकी नफ़ासत और जुनून दिखाई देता है, जो कहानी में लय और गहराई दोनों जोड़ता है। गाने के विज़ुअल्स — मूडी, काव्यात्मक और सिनेमैटिक — उनके प्रदर्शन को और भी प्रभावशाली बना देते हैं, जिससे संदीपा वीडियो का धड़कता हुआ दिल बन जाती हैं। अब जब 'नफ़रत' रिलीज़ हो चुका है, दर्शक संदीपा धर और दर्शन रावल की खूबसूरत केमिस्ट्री को महसूस कर सकते हैं — जो एक साथ गहराई, जुनून और कोमलता से भरी है। खूबसूरती, भावना और कला का यह मेल 'नफ़रत' को सिर्फ एक म्यूज़िक वीडियो नहीं बल्कि एक अनुभव बना देता है, जो दिल में बस जाता है और यह साबित करता है कि संदीपा धर आज की सबसे मनमोहक परफॉर्मर्स में से एक हैं।

तेलुगु में डेब्यू करने जा रहे दिग्गज अभिनेता शिवा राजकुमार

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता शिवा राजकुमार अब एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं जो सिर्फ सिनेमा नहीं बल्कि समाज और राजनीति से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है। कन्नड़ फिल्मों के इस सुपरस्टार ने अब अपने करियर का नया अध्याय शुरू किया है- तेलुगु सिनेमा में बतौर लीड डेब्यू। वह जल्द ही पांच बार के विधायक और जनता के नेता गुम्मादि नरसैया के जीवन पर आधारित बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं।

जनता के बीच से निकला जननेता

तेलंगाना के येल्लंदु क्षेत्र से आने वाले गुम्मादि नरसैया का नाम उस दौर में भी लोगों की जुबान पर था जब राजनीति का मतलब सेवा हुआ करता था, सत्ता नहीं। वह कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्टङ्कलेनिनिस्ट) से पांच बार विधायक रहे, लेकिन सादगी और ईमानदारी की मिसाल बने रहे। साइकिल पर विधानसभा पहुंचने वाले इस नेता ने कभी लाल बत्ती की कार का मोह नहीं किया। गरीबों और आदिवासियों के हक की आवाज उठाने वाले नरसैया ने ज़मीनी स्तर पर वह काम किया जिसे आज की राजनीति शायद भूल चुकी है। यही कारण है कि उनका जीवन अब बड़े परदे पर लाया जा रहा है।

शिवा राजकुमार निभाएंगे किरदार

शिवा राजकुमार, जिन्हें दक्षिण में 'करुणाडा चक्रवर्ती' कहा जाता है, इस बायोपिक में नरसैया का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण प्रवल्लिका आर्ट्स क्रिएशंस के बैनर तले हो रहा है और निर्देशन की कमान संभाली है नए निर्देशक परमेश्वर हिवराले ने। फिल्म की घोषणा एक भावनात्मक पोस्टर के साथ की गई, जिसमें शिवा राजकुमार को सफेद कुर्ता-पायजामा और लाल शॉल में दिखाया गया है। उनके साथ उनकी साइकिल पर सीपीआई (एमएल) का झंडा लहरा रहा है- एक ऐसा नजारा जो उनके राजनीतिक जीवन का प्रतीक बन गया था।

सामाजिक बदलाव की कहानी

फिल्म के पहले लुक वीडियो में डॉक्टर भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी की मूर्तियों के साथ भारतीय संविधान की झलक दिखाई गई है। ये दृश्य फिल्म के मूल विचार को परिभाषित करते हैं- जनता के अधिकारों की लड़ाई और समानता का संघर्ष। निर्देशक के अनुसार, फिल्म सिर्फ एक राजनीतिक जीवन की कहानी नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र, संविधान और समाज के बीच के उस रिश्ते को भी उजागर करती है जो समय के साथ धुंधला पड़ गया है।

सिनेमा से परे एक आंदोलन की शुरुआत

गुम्मादि नरसैया का किरदार निभाना शिवा राजकुमार के लिए महज एक अभिनय नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। वह खुद इस परियोजना को लोगों के संघर्ष की गाथा बता चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के ऐलान वीडियो में खुद गुम्मादि नरसैया के इंस्टाग्राम अकाउंट को टैग किया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह भी फिल्म के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

शिवा राजकुमार की व्यस्त फिल्मी पारी

शिवा राजकुमार इन दिनों साउथ सिनेमा के सबसे व्यस्त सितारों में गिने जाते हैं। वह जल्द ही '45' में उपेंद्र और राज बी शेट्टी के साथ नज़र आने वाले हैं। इसके अलावा 'डैड' और '666 ऑपरेशन ड्रीम थिएटर' जैसी फिल्मों पर भी काम कर रहे हैं। साथ ही वह रजनीकांत की 'जेलर 2' और राम चरण की 'पेड्डी' में कैमियो करते हुए भी दिखेंगे।

सेमीफाइनल की चार टीमें तय, जानें भारत का किस टीम से हो सकता है मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला वनडे विश्व कप का ग्रुप चरण अब अपने अंतिम दौर में है और सेमीफाइनल की चार टीमें तय हो चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और भारत ने सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है, जबकि न्यूजीलैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया है। भारत ने गुरुवार को न्यूजीलैंड से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

भारत ने न्यूजीलैंड को 53 रन से हराकर महिला विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस महत्वपूर्ण मुकाबले

में बारिश ने खलल डाली। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय महिला टीम ने 49 ओवर में तीन विकेट खोकर 340 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो एक बार फिर बारिश आई और डीएलएस पद्धति के तहत उन्हें 44 ओवरों में 325 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित ओवरों में आठ विकेट पर 271 रन ही बना सकी। इस तरह हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को लगातार तीन मैचों में हार के बाद आखिरकार जीत मिली। यह जीत उसके लिए खास रही क्योंकि इससे वह अंतिम चार में पहुंचने में सफल रही। भारत ने महिला विश्व कप के पहले मैच में श्रीलंका को हराया था और फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को मात दी थी। लेकिन उसे दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम न्यूजीलैंड को हराकर जीत की राह पर लौटने में सफल रही। भारतीय महिला टीम ने छह में से तीन मैच जीते हैं और तीन में उसे हार मिली है। टीम फिलहाल छह अंक लेकर चौथे स्थान पर है और उसका नेट रनरेट भी +0.628 का है। भारत को अब ग्रुप चरण के आखिरी मैच में बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है।

विराट-रोहित आज ऑस्ट्रेलिया में आखिरी मैच खेलेंगे

2027 तक यहां इंडिया की सीरीज नहीं, टीम पर ऑस्ट्रेलिया से पहली बार क्लीन स्वीप का खतरा

सिडनी (एजेंसी)। ये प्रदर्शन टीम इंडिया के स्टार बैटर विराट कोहली का है। वे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अब तक अपना खाता नहीं खोल सके हैं। शनिवार को सिडनी में तीसरा और आखिरी वनडे खेला जाना है। मुमकिन है कि यह विराट कोहली और लंबे समय से उनके टीम मेट रहे रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया की धरती पर आखिरी इंटरनेशनल मैच हो। इस मैच में दोनों सितारों से इम्पैक्टफुल परफॉर्मेंस आना जरूरी है। भारतीय टीम पहले ही सीरीज गंवा चुकी है और अब टीम पर पहली बार क्लीन स्वीप होने का खतरा मंडरा रहा है। कंगारू वनडे क्रिकेट में भारत को अब तक क्लीन स्वीप नहीं कर सके हैं। एक दिन पहले 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मुकाबला 2 विकेट से जीता था। टीम को पहले मैच में 7 विकेट की जीत मिली थी।

इसीलिए ऑस्ट्रेलिया में रोहित-कोहली का आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता

कोहली 36 और रोहित 38 साल के हो चुके हैं। दोनों टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं। फ्यूचर टूर प्रोग्राम के अनुसार अगले 2 साल में भारत को ऑस्ट्रेलिया का दौरा नहीं करना है। इसका मतलब हुआ कि अगर रोहित-कोहली 2027 में साउथ अफ्रीका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक खेलते भी हैं तो भी ऑस्ट्रेलिया में अब वे कोई मैच नहीं खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया भारत के खिलाफ क्लीन स्वीप नहीं कर पाया

इस मुकाबले में भारत पर क्लीन स्वीप का खतरा मंडरा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत को वनडे सीरीज में अब तक क्लीन स्वीप नहीं कर सकी है। दोनों टीमों 1984 से वनडे सीरीज खेल रही है। जब पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम भारतीय दौरे पर आई थी, तब 5 मैचों के 3 मुकाबले जीते थे, लेकिन 2 मैच बेनतीजा रहे।

सिडनी में 9 साल से नहीं जीता भारत

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में भारतीय टीम का रिकॉर्ड खराब है। टीम ने यहां पिछले 9 साल से कोई वनडे मैच नहीं जीता है। भारतीय टीम को पिछली जीत 23 जनवरी 2016 को मिली थी। उसके बाद से टीम इंडिया ने यहां लगातार 3 मुकाबले गंवाए हैं। ऑस्ट्रेलियन पिचों पर दोनों टीमों के बीच 56 मैच खेले गए हैं, इनमें से 40 मुकाबले मेजबान टीम ने जीते हैं। 14 मैच भारत के पक्ष में रहे हैं। 2 मैच नो रिजल्ट रहे। ओवरऑल हेड-टु-हेड में भारत-ऑस्ट्रेलिया ने 154 मैच हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 86 और भारत ने 58 मैच जीते हैं। 10 मुकाबले बेनतीजा रहे हैं।

शुभमन गिल बने दुर्भाग्यशाली कप्तान, एडिलेड में भारत का सुनहरा रिकॉर्ड टूटा

एडिलेड (एजेंसी)। एडिलेड ओवल पर गुरुवार को खेले गए दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 2 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। यह मुकाबला सिर्फ हार नहीं था बल्कि कई ऐतिहासिक घटनाओं का गवाह भी बना। भारतीय कप्तान शुभमन गिल

अपने कप्तानी करियर के पहले दो वनडे हारने वाले सिर्फ छठे भारतीय कप्तान बन गए।

एडिलेड में टूटा भारत का अपराजित सिलसिला– इस हार के साथ ही भारत का एडिलेड ओवल पर जीत का रिकॉर्ड टूट गया। फरवरी 2008 में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद से भारत इस मैदान पर छह वनडे लगातार जीत चुका था। यह सिलसिला 17 साल बाद थम गया।

कप्तानी करियर की निराशाजनक शुरुआत

शुभमन गिल अब मोहम्मद अजहरुद्दीन, केएल राहुल, क्रिस श्रीकांत, दिलीप वेंगसरकर और अजीत वाडेकर जैसे कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने कप्तान के रूप में अपने शुरुआती दो वनडे गंवाए।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया

मियामी (एजेंसी)। लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपने अनुबंध को अपने 41वें जन्मदिन के बाद तक बढ़ाने पर सहमति जताई है, एमएलएस क्लब ने यह जानकारी दी। 38 वर्षीय मेसी, जिनका पिछला अनुबंध दिसंबर में समाप्त होने वाला था, ने 2028 के अंत तक चलने वाले इस समझौते की व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति जताई।

सह-मालिक डेविड बेकहम ने एक बयान में कहा, हमारा लक्ष्य इंटर मियामी और इस शहर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को लाना था, और हमने ठीक यही किया है।वह अब भी पहले की तरह ही प्रतिबद्ध हैं और अब भी जीतना चाहते हैं। 2023 में क्लब में शामिल होने के बाद से मेसी ने 82 मैचों में 71 गोल किए हैं और 37 असिस्ट दिए हैं, जिससे मियामी को 2023 लीग कप और 2024 सपोर्टर्स शील्ड जीतने में मदद मिली है।

अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता ने 29 गोल के साथ इस साल का एमएलएस गोल्डन बूट जीता और लीग के एमवीपी पुरस्कार के लिए चुने गए पांच खिलाड़ियों में से एक हैं। बेकहम ने कहा, लियो का इंटर मियामी के लिए अपना भविष्य समर्पित करना, हमारे यहां जो कुछ भी बन रहा है, उसमें उनके विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, उन्होंने इस देश में खेल का चेहरा बदल दिया है, और हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि वह भविष्य में हमारे क्लब का नेतृत्व करेंगे। इंटर मियामी नियमित सत्र के अंत में एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर रहा। फ्लोरिडा की यह टीम शुक्रवार को प्लेऑफ के पहले दौर में नैशविले से खेलेगी, जिसका फैसला तीन मैचों में होगा।

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी वर्ल्डकप से पाकिस्तान हटा

इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन ने कन्फर्म किया, कहा- नई टीम का ऐलान जल्द करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की टीम भारत में 28 नवंबर से होने जा रहे जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप से हट गया है। इंटरनेशनल हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। यह टूर्नामेंट चेन्नई और मदुरै

में खेला जाएगा।

मीडिया सूत्र के हवाले से लिखा कि पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने आधिकारिक तौर पर सूचित किया है कि उसकी टीम इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान की जगह कौन सी टीम खेलेगी, इसका ऐलान जल्द किया जाएगा। पाकिस्तान को पूल बी में भारत, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया था। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति है।

भारत ने 2023 में चौथी बार जूनियर हॉकी एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को ही 2-1 से हराया था।

हॉकी एशिया कप से भी हट गया था पाकिस्तान

पाकिस्तान ने पिछले महीने बिहार के राजगीर स्टेडियम में आयोजित हॉकी एशिया कप से भी नाम वापस ले लिया था। ओमान भी हट गया था। उनकी जगह बांग्लादेश और कजाकिस्तान को टूर्नामेंट में जगह दी गई थी।

टीम इंडिया ने नकवी के हाथ से ट्रॉफी लेने से इनकार किया

भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। नकवी एसीसी चेयरमैन होने के साथ-साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ भी हैं। साथ ही वे पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं।

सिडनी वनडे से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम में बदलाव

जैक एडवर्ड्स को मौका, लाबुशेन को रिलीज किया, स्टार्क-हेजलवुड को आराम मिल सकता है

सिडनी (एजेंसी)। सिडनी वनडे से पहले न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को बुलाया गया है। उन्हें पहली बार ऑस्ट्रेलिया की इंटरनेशनल टीम में जगह मिली है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को वनडे और टी-20 टीमें जारी की।

इसके अनुसार, आखिरी वनडे के लिए मैथ्यू कुह्नेमन की वापसी हुई है। जबकि, मार्नस लाबुशेन को वनडे टीम से रिलीज कर दिया गया है। ताकि, वे अगले हफ्ते मंगलवार से शुरू होने वाले शील्ड मैच में क्वींसलैंड के लिए खेल सकें।

25 अक्टूबर को सिडनी में होने वाले तीसरे वनडे में टीम मैनेजमेंट हेजलवुड या स्टार्क को आराम दे सकता है। कंगारू टीम ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की बढ़त ले ली है।

ऑस्ट्रेलिया के वनडे और टी-20 टीम के बदलाव– जोश हेजलवुड और शॉन एबॉट भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के आखिरी मैच नहीं खेलेंगे। दोनों न्यू साउथ वेल्स से शील्ड मैच खेलने जाएंगे। हेजलवुड सिर्फ पहले दो टी20 मैच खेलेंगे, जबकि एबॉट तीसरे मैच के बाद टीम छोड़ देंगे। मैथ्यू कुह्नेमन और जैक एडवर्ड्स को तीसरे वनडे के लिए टीम में जोड़ा गया है। जॉश फिलिप को टी20 टीम में एक्स्ट्रा विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है, क्योंकि जोश इंग्लिस चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हुए हैं।

ग्लेन मैक्सवेल कलाई की चोट के कारण शुरुआती 2 टी-20 मैच नहीं खेल सकेंगे। वे आखिरी 3 मैचों में वापसी करेंगे।

बेन ड्वार्शियस भी चोट से उबरकर चौथे और पांचवें टी20 मैच के लिए टीम में जुड़ेंगे। वेस्ट ऑस्ट्रेलिया के 20 साल के तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन को आखिरी तीन टी20 मैचों के लिए चुना गया है। उन्होंने हाल ही में पर्थ स्कॉर्चर्स और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। जैक एडवर्ड्स ने भारतीय दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने लखनऊ में 88 रन बनाए थे और कानपुर में खेले गए वनडे मैचों में 4 विकेट लिए और 89 रन बनाए थे। हालांकि, वे अपनी टीम को दो फॉर्मेट की सीरीज में जीत नहीं दिला सके थे। 2 मैचों की फर्स्ट क्लास सीरीज को भारत ने 1-0 से, जबकि 3 मैचों की सीरीज को 2-1 से जीता था। भारतीय टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर ने की थी।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से 2 वनडे जीते

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वनडे सीरीज के शुरुआती 2 मुकाबलों में भारतीय टीम पर जीत हासिल की है। टीम ने एडिलेड में दूसरा मुकाबला 2 विकेट और पर्थ में पहला मैच 7 विकेट से जीता था।

5 मैचों की टीम 2-0 सीरीज 29 अक्टूबर से

वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया को आपस में 5 मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलनी है। इस सीरीज का पहला मुकाबला कैनबरा दोपहर 1:45 बजे से खेला जाएगा।

हार के बाद बोली न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन

हम भारत की तरह नहीं हैं, हमारे पास एक अरब लोग नहीं है

मुंबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत के खिलाफ अपनी टीम की हार के बाद कहा कि महिला प्रीमियर लीग को कैलेंडर में जगह मिलने से भविष्य में भारत महिला क्रिकेट के मामले में अग्रणी देश बन सकता है। अपने पांचवें विश्व कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाली डिवाइन रविवार को वनडे से संन्यास ले लेंगी, क्योंकि उनकी टीम गुरुवार को यहां भारत से बड़ी हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हमें यथार्थवादी होना होगा कि ये चीजें रातोंरात नहीं होतीं। हम भारत की तरह नहीं हैं। हमारे पास एक अरब लोग नहीं हैं जिनसे संपर्क किया जा सके। हम वास्तव में दुनिया के सबसे निचले पायदान पर स्थित एक छोटा सा देश हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है। डिवाइन ने कहा, 'यहां एक अरब लोग हैं और यहां जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से बहुत भिन्न है।

करणबीर सिंह ने लिखा इतिहास, सूर्यकुमार और रिजवान का टी-20 रिकॉर्ड तोड़ा

एक कैलेंडर वर्ष में बनाए सर्वाधिक रन

नईदिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के क्रिकेट मंच पर ऑस्ट्रिया के ओपनर करणबीर सिंह का नाम तेजी से चमक रहा है। इस खिलाड़ी ने वह कमाल कर दिखाया, जो अब तक सिर्फ क्रिकेट की बड़ी टीमों के स्टार बल्लेबाजों के नाम था। करणबीर ने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज़्यादा टी-20 में रन बनाकर पाकिस्तान के मोहम्मद रिज़वान और भारत के सूर्यकुमार यादव दोनों को पीछे छोड़ दिया।

रिकॉर्ड तोड़ने वाली पारी

विस्डेन की रिपोर्ट के मुताबिक, करणबीर को रिज़वान के 2021 के 1,326 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए सिर्फ 87 रनों की जरूरत थी। रोमानिया दौरे पर 18 अक्टूबर को उन्होंने दो लगातार मैचों में धमाकेदार प्रदर्शन किया। पहले मुकाबले में 27 गेंदों पर 57 रन और फिर अगले मैच में 46 गेंदों पर 90 रन जड़ दिए।

लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। अगले दिन उन्होंने 44 गेंदों में 74 और फिर 12 गेंदों में 27 रनों की आतिशी पारी खेली। इन पारियों के बाद उनका सीज़न टोटल 32 पारियों में 1,488 रन तक पहुंच गया और यहीं उन्होंने नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया।

आंकड़े जो हैरान कर दें

करणबीर के आंकड़े किसी भी इंटरनेशनल स्टार से कम नहीं हैं। उन्होंने ये रन 175 के स्ट्राइक रेट से बनाए, जिसमें 127 चौके और 122 छक्के शामिल हैं! ये छक्कों की संख्या अपने आप में हैरान करने वाली है क्योंकि यह सूर्यकुमार यादव के 2022 में बनाए गए 68 छक्कों से लगभग दो गुना है।

किसे पीछे छोड़ा करणबीर ने

अब तक पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल कैलेंडर-वर्ष में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड मोहम्मद रिज़वान (1,326 रन, 2021) और सूर्यकुमार यादव (1,164 रन, 2022) के नाम था। लेकिन ऑस्ट्रिया के इस खिलाड़ी ने एसोसिएट नेशन के लिए इतिहास रचते हुए उन दोनों को पीछे छोड़ दिया।

साथी खिलाड़ी भी छा रहे

रोमानिया के इल्फ़ोव काउंटी में खेले गए चौथे टी-20 में करणबीर के साथी बिलाल ज़लमाई भी इस साल 1,000 रन का आंकड़ा पार करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। वहीं, बहरीन के फ़ैयाज़ अहमद भी सिर्फ 57 रन दूर हैं इस खास माइलस्टोन से।

क्रिकेट के नए नक्शे पर ऑस्ट्रिया

करणबीर का यह प्रदर्शन न सिर्फ व्यक्तिगत रूप से ऐतिहासिक है, बल्कि एसोसिएट क्रिकेट देशों के लिए भी बड़ी प्रेरणा है। ऑस्ट्रिया जैसे छोटे क्रिकेटिंग देश के खिलाड़ी का दुनिया के बड़े दिग्गजों के बीच रिकॉर्ड बनाना यह साबित करता है कि क्रिकेट की प्रतिभा अब सिर्फ टेस्ट खेलने वाले देशों तक सीमित नहीं रही।

एशियाई युवा खेल

रंजना ने पैदल चाल स्पर्धा में रजत पदक जीता

रिफा (बहरीन) (एजेंसी)। भारतीय युवा एथलीट रंजना यादव ने यहां एशियाई युवा खेलों में लड़कियों की 5,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। इस भारतीय खिलाड़ी ने 23 मिनट 25.88 सेकेंड के

समय से दूसरा स्थान हासिल किया जबकि चीन की लियू शियी 24:15.27 सेकेंड के समय से उनसे आगे पहले स्थान पर रहीं। कोरिया की जियोंग चायेओन ने 25:26.93 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता। एशियाई युवा खेलों में एथलेटिक्स में यह भारत का पहला पदक था। इससे देश के कुल पदकों की संख्या दो रजत और चार कांस्य हो गई। भारत ने अभी तक कुराश में एक रजत और दो कांस्य के अलावा ताइक्वांडो में दो कांस्य पदक जीते हैं।

पीयूष गोयल का स्पष्ट संदेश: भारत बंदूक तानकर ट्रेड डील नहीं करता

-अपनी शर्तों पर ही करेगा व्यापार

बर्लिन (एजेंसी)। कॉमर्स और इंडस्ट्री मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को जर्मनी में आयोजित बर्लिन डायलॉग में भारत और अमेरिका के बीच संभावित ट्रेड डील को लेकर स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत जल्दबाजी में किसी सौदे पर हस्ताक्षर नहीं करता और किसी के दबाव में आकर अपने निर्णय नहीं बदलता। उनके अनुसार, "भारत बंदूक तानकर डील नहीं करता।" यह बयान ऐसे समय में आया है, जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक बातचीत के कई स्तर चल रहे हैं और दोनों देशों के बीच टैरिफ और बाजार पहुंच को लेकर अहम मुद्दे मौजूद हैं। गोयल ने बताया कि भारत केवल अमेरिका ही नहीं बल्कि यूरोपीय संघ और अन्य देशों के साथ भी ट्रेड डील्स को लेकर बातचीत कर रहा है। उनका कहना था कि किसी भी ट्रेड डील को लंबी अवधि (लॉन्ग टर्म) के नजरिए से देखा जाना चाहिए। यह दृष्टिकोण भारत की उस नीति को दर्शाता है जिसमें देश अपनी आर्थिक और रणनीतिक स्वायत्तता को सर्वोपरि रखता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत किसी भी डील में जल्दीबाजी या आवेश में आकर निर्णय नहीं लेता। भारत की यह नीति खासतौर पर उस समय महत्वपूर्ण हो गई है, जब अमेरिका और यूरोप की ओर से विभिन्न उत्पादों पर उच्च टैरिफ लगाया जा रहा है। हाई टैरिफ भारतीय कंपनियों के लिए एक चुनौती बनकर सामने आया है। इस स्थिति में गोयल ने यह भी बताया कि भारत नए मार्केट्स की तलाश कर रहा है ताकि घरेलू उद्योग और व्यापार को नुकसान न हो और निर्यात बढ़ाया जा सके। नए मार्केट की खोज से भारत अपनी आर्थिक स्थिरता और वैश्विक व्यापार में प्रतिस्पर्धा को बनाए रख सकता है। पीयूष गोयल ने यह स्पष्ट किया कि भारत अपनी शर्तों और रणनीति के साथ ही किसी भी ट्रेड डील में जाएगा। उनका कहना था कि ट्रेड डील हमेशा लॉन्ग टर्म नजरिए से की जाती है, न कि अल्पकालिक लाभ या दबाव में। इस नीति से यह संदेश जाता है कि भारत अपने हितों के लिए कोई समझौता नहीं करेगा और किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव में नहीं आएगा। गोयल ने यह भी बताया कि भारत वैश्विक व्यापार में संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है। देश सिर्फ बड़े बाजारों पर निर्भर नहीं रहेगा, बल्कि नए और उभरते हुए मार्केट्स में भी अवसर तलाशे जा रहे हैं। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था विविध और मजबूत होगी।

अमित शाह की आज 3 आम सभाएं:पटना में तेजस्वी यादव के पोस्टर जारी

-'बिहार का नायक' बताया; खगड़िया की रैली कैंसिल

नई दिल्ली । बिहार में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह खगड़िया, मुंगेर और बिहारशरीफ में आम सभाओं को संबोधित करने वाले थे। उनके इस दौरे को लेकर जिले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वहीं, इस दौरान राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के बीच बयानबाजी और पोस्टर युद्ध भी जारी रहा। पटना में RJD (राष्ट्रीय जनता दल) ने तेजस्वी यादव के पोस्टर जारी किए, जिनमें उन्हें "बिहार का नायक" बताया गया। यह पोस्टर सोशल मीडिया और शहर के प्रमुख इलाकों में नजर आए। पोस्टर पर तेजस्वी की तस्वीर के साथ यह संदेश था कि वे बिहार के भविष्य और विकास के लिए नेतृत्व करने वाले हैं। हालांकि, इस पोस्टर को लेकर विवाद भी पैदा हो गया। पप्पू यादव ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "मैं बिहार का बेटा हूं। एक सेवक हूं। हमेशा बेटा और सेवक ही बना रहूंगा। मुझे नायक बनने की कोई इच्छा नहीं है।" पप्पू यादव के इस बयान से यह स्पष्ट हो गया कि वे किसी भी तरह की राजनीतिक नायकी या व्यक्तिगत छवि बनाने के पक्ष में नहीं हैं। उनका फोकस सेवा और जनहित पर ही है। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव की खगड़िया में होने वाली रैली को रद्द कर दिया गया है। जिले के प्रशासन ने इसकी जानकारी दी कि गृहमंत्री अमित शाह के दौरे के कारण उनके हेलिकॉप्टर को उतारने की अनुमति नहीं दी जा सकती। प्रशासन ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए यह निर्णय लिया। यह कदम राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है, क्योंकि अमित शाह की सभाओं में भारी जनसंपर्क और सुरक्षा की आवश्यकता होती है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (LJP) के नेता चिराग पासवान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए राजद और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि "2005 में मेरे पिता रामविलास पासवान जी ने मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने के लिए अपनी पार्टी तक कुर्बान कर दी थी। तब भी आपने उनका साथ नहीं दिया।" चिराग पासवान ने यह आरोप लगाया कि आरजेडी आज भी मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने के पक्ष में नहीं है। उनके इस बयान ने राजनीतिक गलियारे में नई बहस शुरू कर दी है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि बिहार में इस समय सियासी माहौल काफी तनावपूर्ण है। अमित शाह की रैलियों को लेकर सुरक्षा और प्रशासनिक फैसले राज्य में चुनावी रणनीति का हिस्सा माने जा रहे हैं। वहीं, RJD की पोस्टर अभियान से यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि तेजस्वी यादव बिहार के युवाओं और आम लोगों के लिए नेतृत्व कर सकते हैं। पप्पू यादव का बयान इस बहस में एक अलग दृष्टिकोण जोड़ता है, जिसमें व्यक्तिगत नायकी से अधिक सेवा और जनहित को महत्व दिया गया है। मुंगेर और बिहारशरीफ में भी अमित शाह की रैलियों को लेकर तैयारियां तेज हैं। इन रैलियों में भारी भीड़ की उम्मीद जताई जा रही है, इसलिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने इलाके में यातायात और हेलीकॉप्टर मार्ग की विशेष निगरानी का आदेश दिया है। रैलियों के दौरान अमित शाह राज्य की कानून-व्यवस्था और केंद्र की योजनाओं को लेकर भी जनसभा को संबोधित करेंगे। राजनीतिक दलों के बीच बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी यह विषय तेजी से चर्चा में है। तेजस्वी यादव के पोस्टरों और पप्पू यादव के बयान के बीच लोगों की प्रतिक्रिया मिश्रित है। कुछ लोग इसे राजनीतिक रणनीति मान रहे हैं, तो कुछ इसे व्यक्तिगत और नैतिक दृष्टिकोण से देख रहे हैं। चिराग पासवान की टिप्पणी ने भी मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने के मुद्दे को फिर से उठाया है, जो बिहार की राजनीति में संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय माना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दल अपनी रणनीतियों को और अधिक तेज कर सकते हैं। रैलियों, पोस्टरों और सोशल मीडिया अभियानों के जरिए वे जनता पर अपना प्रभाव बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

LIC का अडाणी ग्रुप में ₹33,000 करोड़ का निवेश

-कांग्रेस ने उठाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) पर अडाणी ग्रुप में बड़े पैमाने पर निवेश का मामला देश में राजनीतिक और वित्तीय चर्चा का केंद्र बन गया है। 2025 की शुरुआत में LIC ने अडाणी ग्रुप में करीब 3.9 अरब डॉलर यानी लगभग ₹33,000 करोड़ का निवेश किया। कांग्रेस ने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह निवेश आम जनता की मेहनत की कमाई का गलत इस्तेमाल है। पार्टी ने इसे 'सार्वजनिक धन का दुरुपयोग' बताते हुए संसद की पब्लिक अकाउंट्स कमेटी (PAC) से इस मामले की जांच कराने की मांग की है। TMC सांसद महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर द वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट साझा की, जिसमें बताया गया है कि उस समय अडाणी भारी कर्ज में डूबे हुए थे और अमेरिका में उनके खिलाफ घूसखोरी के आरोप लगे हुए थे। इसके बावजूद केंद्र सरकार और LIC ने उनके समूह में इतना बड़ा निवेश किया। इस मामले पर सरकार या अडाणी ग्रुप की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इसे एक बड़ा घोटाला करार दिया और कहा कि इसमें कई गंभीर आरोप शामिल हैं। सबसे पहले, उन्होंने सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया। प्रवर्तन निदेशालय (ED), सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI) और इनकम टैक्स विभाग जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल अन्य निजी कंपनियों पर दबाव बनाने के लिए किया गया। ऐसा आरोप है कि इन्हें मजबूर किया गया कि वे अपनी संपत्तियों को सस्ते दाम में अडाणी ग्रुप को बेच दें। इसके अलावा, सरकारी संपत्तियों के गलत निजीकरण का भी आरोप लगाया गया। देश के कई महत्वपूर्ण हवाई अड्डे और बंदरगाह जैसे सार्वजनिक संसाधनों को सिर्फ अडाणी ग्रुप को फायदा पहुंचाने के लिए बेचा गया। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं रखी गई और धांधली की आशंका जताई गई। विदेशी सौदों में मदद भी एक बड़ा मुद्दा है। यह आरोप है कि भारत की कूटनीति का इस्तेमाल पड़ोसी देशों जैसे बांग्लादेश और श्रीलंका में अडाणी ग्रुप के लिए कॉन्ट्रैक्ट दिलाने में किया गया। इससे सरकारी संसाधनों का निजी लाभ के लिए दुरुपयोग हुआ। कोयले के महंगे आयात का खेल भी सामने आया। अडाणी ग्रुप ने शेल कंपनियों के जरिए महंगा कोयला आयात किया, जिससे गुजरात के अडाणी पावर प्लांट से बिजली की कीमतें बढ़ गईं। इसका असर आम जनता पर पड़ा और यह मनी लॉन्ड्रिंग का नेटवर्क भी माना गया। चुनावों से पहले बिजली के सौदे भी विवाद का हिस्सा हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में चुनाव से पहले अडाणी को ऊंची कीमतों पर बिजली सप्लाई के कॉन्ट्रैक्ट दिए गए। हाल ही में बिहार में चुनाव से पहले एक पावर प्लांट के लिए जमीन केवल 1 रुपए प्रति एकड़ में आवंटित कर दी गई। LIC द्वारा अडाणी ग्रुप में किया गया यह निवेश न केवल वित्तीय दृष्टि से बल्कि राजनीतिक और नैतिक दृष्टि से भी विवादास्पद है।

अमेरिका-वेनेज़ुएला तनाव: ट्रम्प जल्द सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं

-वेनेज़ुएला ने 5000 मिसाइलें तैनात कीं

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका और वेनेज़ुएला के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प वेनेज़ुएला पर सैन्य कार्रवाई करने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। अमेरिकी मीडिया चैनल CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस के तीन अधिकारियों ने बताया कि ट्रम्प वेनेज़ुएला के भीतर ड्रग माफिया के ठिकानों और तस्करी के रास्तों पर हमले करने का विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी इस पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिका बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करने की योजना बना सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ट्रम्प ने हाल ही में संभावित हमलों के लिए विभिन्न स्थानों पर चर्चा बढ़ाई है और रणनीतियाँ तैयार की जा रही हैं। इसका उद्देश्य वेनेज़ुएला में ड्रग तस्करी को रोकना और अमेरिकी सीमाओं तक ड्रग्स की आवाजाही को कम करना है। इस कदम के तहत अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने नौसेना के सबसे बड़े और अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप USS जेराल्ड आर फोर्ड को यूरोप से कैरिबियाई क्षेत्र में भेजने का आदेश दिया है। यह जहाजी बेड़ा किसी भी संभावित सैन्य कार्रवाई में अमेरिका को निर्णायक बढ़त देने के लिए तैयार है। इसके अलावा, ट्रम्प ने CIA को भी वेनेज़ुएला में गुप्त ऑपरेशन्स चलाने की अनुमति दी है, जिससे आवश्यक खुफिया जानकारी इकट्ठा की जा सके और आवश्यक कार्रवाई की जा सके। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह स्पष्ट किया है कि वेनेज़ुएला के साथ कूटनीतिक बातचीत का विकल्प भी खुला है। उनका कहना है कि अगर दोनों देशों के बीच संवाद संभव हुआ तो ड्रग तस्करी रोकने और तनाव कम करने के लिए शांतिपूर्ण तरीके अपनाए जा सकते हैं। वहीं, वेनेज़ुएला ने भी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 5000 मिसाइलें तैनात करने का आदेश दिया है।

पंजाब की 11 दवाएं फेल: 3 कफ सिरप भी घटिया पाए गए

-CDSCO रिपोर्ट में स्वास्थ्य सुरक्षा पर सवाल

अमृतसर । केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) की ताजा रिपोर्ट ने देशभर में दवाओं की गुणवत्ता को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार कुल 112 दवाओं के सैंपल गुणवत्ता परीक्षण में फेल पाए गए हैं, जिनमें पंजाब में निर्मित 11 दवाएं भी शामिल हैं। यह आंकड़ा न केवल उपभोक्ताओं के लिए चिंता का विषय है, बल्कि स्वास्थ्य सुरक्षा के लिहाज से भी यह बेहद गंभीर स्थिति को दर्शाता है। सबसे अधिक 49 दवाएं हिमाचल प्रदेश से फेल पाई गईं, इसके बाद 16 गुजरात, 12 उत्तराखंड, 11 पंजाब और 6 मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों के सैंपल भी गुणवत्ता परीक्षण में असफल रहे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि फेल हुई दवाओं में तीन कफ सिरप शामिल हैं, जिनमें से एक पूरी तरह नकली पाया गया है। यह बात अत्यंत चौकाने वाली है क्योंकि कफ सिरप जैसी दवाएं अक्सर छोटे बच्चों और बुजुर्गों के इलाज में उपयोग की जाती हैं। इन दवाओं का इस्तेमाल दिल, कैंसर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, दमा, संक्रमण, दर्द, सूजन, एनीमिया और मिर्गी जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार में किया जाता है। इन दवाओं की गुणवत्ता में कमी सीधे तौर पर मरीजों की सेहत पर गंभीर असर डाल सकती है। इसके अलावा, नकली या घटिया दवाओं के उपयोग से रोग बढ़ने या नई स्वास्थ्य समस्याओं के उत्पन्न होने का खतरा भी रहता है। हाल ही में पंजाब सरकार ने 8 दवाओं के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इनमें कोल्ड्रिफ कफ सिरप भी शामिल था। CDSCO की नई रिपोर्ट के बाद अब इस दिशा में और कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। संबंधित बैच को बाजार से हटाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसके अलावा सभी मेडिकल स्टोर, डॉक्टर और अस्पतालों को आदेश दिया गया है कि वे इन दवाओं का स्टॉक तुरंत जमा कराएं और मरीजों को सुरक्षित विकल्प उपलब्ध कराएं। फार्मा कंपनियों के खिलाफ भी जांच तेज कर दी गई है। सरकार इस बात की पूरी कोशिश कर रही है कि मरीजों तक सिर्फ प्रमाणित और सुरक्षित दवाएं ही पहुंचे। इसके लिए कंपनियों को अपने उत्पादन और वितरण के सभी रिकॉर्ड प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, राज्य और केंद्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी बढ़ा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं मरीजों के लिए खतरे की घंटी हैं और उन्हें हमेशा केवल प्रमाणित और लाइसेंसधारी फार्मेसी से ही दवाएं खरीदनी चाहिए। इसके अलावा, किसी भी दवा का बिना डॉक्टर की सलाह के उपयोग न करना भी बहुत जरूरी है।

महाराष्ट्र डॉक्टर आत्महत्या केस: मकान मालिक के बेटे गिरफ्तार

-सुसाइड नोट में सांसद और दो पीए के नाम

सातारा । महाराष्ट्र के सातारा ज़िले के फलटण शहर में एक महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है। यह मामला अब बेहद गंभीर मोड़ पर पहुँच गया है, क्योंकि पुलिस ने डॉक्टर के मकान मालिक के बेटे प्रशांत बांकर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, प्रशांत पर रेप और आत्महत्या के लिए उकसाने के गंभीर आरोप हैं। डॉक्टर ने 23 अक्टूबर को फलटण के एक होटल में आत्महत्या की थी। मौके से बरामद सुसाइड नोट और घटनास्थल की शुरुआती जांच से यह साफ हो गया कि वह लंबे समय से मानसिक प्रताड़ना झेल रही थी। बताया जा रहा है कि डॉक्टर ने अपने हाथ पर कुछ नाम लिखे थे, जिनमें मकान मालिक का बेटा प्रशांत बांकर और सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने का नाम भी शामिल था। पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक, गोपाल बदने, जो फलटण थाने में सब-इंस्पेक्टर के पद पर तैनात था, पर पिछले पाँच महीनों में चार बार डॉक्टर से रेप करने का आरोप लगा है। इतना ही नहीं, डॉक्टर ने अपने सुसाइड नोट में यह भी लिखा है कि गोपाल और प्रशांत दोनों उस पर झूठे फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करने का दबाव बना रहे थे। डॉक्टर के इनकार करने पर उसे लगातार धमकियाँ दी जा रही थीं और मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था। मामले के खुलासे के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सातारा के एसपी को आरोपी सब-इंस्पेक्टर को तुरंत सस्पेंड करने का आदेश दिया है। फडणवीस ने यह भी कहा कि इस केस की जांच निष्पक्ष और तेज़ी से की जाएगी ताकि किसी भी आरोपी को राजनीतिक या प्रशासनिक संरक्षण न मिल सके। इस बीच, पुलिस को एक और बड़ा सुराग मिला है। जांच के दौरान डॉक्टर के कमरे से चार पन्नों का सुसाइड नोट बरामद हुआ है। इस नोट में एक सांसद और उनके दो निजी सहायकों (पीए) के नाम भी लिखे गए हैं। डॉक्टर ने आरोप लगाया था कि ये तीनों लोग भी उस पर दबाव बना रहे थे कि वह आरोपी व्यक्तियों के लिए फर्जी फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करे। सूत्रों के अनुसार, जब डॉक्टर ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया, तो सांसद ने खुद उसे फोन कर धमकाया था। इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट होता है कि डॉक्टर न केवल मानसिक बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दबावों के बीच बुरी तरह फँसी हुई थी। डॉक्टर मूल रूप से बीड ज़िले की रहने वाली थी और फलटण तहसील के सरकारी अस्पताल में कार्यरत थी। उसके सहकर्मियों ने बताया कि वह बहुत ईमानदार और संवेदनशील स्वभाव की थी, लेकिन पिछले कुछ महीनों से बेहद तनाव में थी। फिलहाल पुलिस ने मकान मालिक के बेटे प्रशांत बांकर और सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने दोनों के खिलाफ धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और धारा 376 (बलात्कार) के तहत मामला दर्ज किया है। सुसाइड नोट में सांसद और उनके दो सहायकों के नाम आने के बाद राजनीतिक हलकों में भी हलचल मच गई है। यह मामला अब राज्य स्तर पर संवेदनशील बन गया है। डॉक्टर के परिवार ने न्याय की मांग करते हुए कहा है कि "हमारी बेटी ने सिस्टम के दबाव में अपनी जान दी है। अगर दोषियों को सख्त सज़ा नहीं मिली, तो हम अदालत का दरवाज़ा खटखटाएंगे।" पुलिस की विशेष टीम अब डॉक्टर के मोबाइल रिकॉर्ड, कॉल डिटेल्स और सुसाइड नोट के फोरेंसिक परीक्षण में जुटी है।

पाकिस्तान ने अमेरिकी दबाव में सौंपे थे परमाणु हथियार

-CIA पूर्व अधिकारी का दावा

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज़ मुशर्रफ पर अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA के पूर्व अधिकारी जॉन किरियाकू ने बड़ा दावा किया है कि मुशर्रफ ने अपने देश के परमाणु हथियारों का नियंत्रण अमेरिका को सौंप दिया था। किरियाकू के अनुसार, अमेरिका ने मुशर्रफ को वित्तीय मदद और अन्य प्रलोभनों के जरिए 'खरीद' लिया था, जिससे अमेरिका को पाकिस्तान की सुरक्षा और सैन्य गतिविधियों पर व्यापक पहुंच मिल गई थी। मुशर्रफ का शासनकाल 1999 से 2008 तक रहा। इस दौरान पाकिस्तान ने अपने परमाणु हथियारों को विकसित करने और मजबूत करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए थे। हालांकि, किरियाकू के इस बयान से यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका ने इस समय पाकिस्तान की सैन्य और परमाणु क्षमताओं पर नजर बनाए रखने के लिए गुप्त रणनीतियों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने न केवल आर्थिक सहायता दी बल्कि पाकिस्तान की सुरक्षा और परमाणु कार्यक्रमों की निगरानी के लिए भी गहरी छाप छोड़ी। यह दावा पाकिस्तान और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवादों और संदिग्ध गुप्त समझौतों को लेकर नई बहस को जन्म दे सकता है। पाकिस्तान हमेशा से अपने परमाणु हथियारों को राष्ट्रीय सुरक्षा का मुख्य स्तंभ मानता रहा है, और इस तरह का खुलासा दोनों देशों के बीच विश्वास के मुद्दे को चुनौती दे सकता है।

अफगानिस्तान पाकिस्तान को पानी देने से इनकार

-कुनार नदी पर डैम बनाने की तैयारी

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी को रोकने के लिए डैम बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। अफगान सूचना मंत्रालय ने गुरुवार को X (पूर्व ट्विटर) पर इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, तालिबान के सर्वोच्च नेता मावलवी हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने कुनार नदी पर जल्द से जल्द डैम बनाने का आदेश दिया है। सूचना मंत्रालय के उपमंत्री मुहाजिर फराही ने बताया कि पानी और ऊर्जा मंत्रालय को निर्देश दिया गया है कि घरेलू कंपनियों को ठेका देकर डैम निर्माण जल्दी शुरू किया जाए और किसी भी तरह से विदेशी कंपनियों का इंतजार न किया जाए। अफगानिस्तान ने यह फैसला हाल ही में हुए संघर्षों के बाद लिया है। 9 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक हुए झड़पों में अफगानिस्तान के 37 नागरिक मारे गए और 425 घायल हुए थे। इन घटनाओं ने देश की सुरक्षा और संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर तालिबान सरकार को सख्त कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। यह कदम भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही जल विवाद की याद दिलाता है। भारत ने भी पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी को रोकने का निर्णय लिया था। 23 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। इस कदम का मकसद पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति को सीमित करना और अपनी सुरक्षा व रणनीतिक हितों की रक्षा करना था। अब अफगानिस्तान भी इसी तरह के कदम उठा रहा है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,